वर्ष-11 अंक-28 पृष्ठ-8 मूल्यः 3 रुपये

प्रयागराज, 02 अप्रैल 2025

TM

आधुनिक भारत का आधुनिक नजरिया

आधुनिक समाचार

प्रयागराज से प्रकाशित एवं सम्पूर्ण भारत वर्ष में प्रसारित

Download From Google Play Adhunik Samachar

आधुनिक समाचार नेटवर्क

11 YEARS ANNIVERSARY

संक्षिप्त समाचार

पाथर प्रतिमा विस्फोट मामले में पुलिस की बड़ी कार्रवाई, मुख्य आरोपी को किया गिरफ्तार

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)

नई दिल्ली। पश्चिम बंगाल के दक्षिण 24 परगना जिले के पाथर प्रतिमा में बीते दिन गैस सिलेंडर विस्फोट हुआ था। हादसे में आठ लोगों की मौत हो गई थी। पुलिस ने इस बात की जानकारी दी थी। पुलिस ने बताया था कि मरने वालों में चार बच्चे भी शामिल हैं। पश्चिम बंगाल के दक्षिण 24 परगना जिले के पाथर प्रतिमा में हुए विस्फोट मामले में पुलिस ने बड़ी कार्रवाई की है। पुलिस ने बुधवार को मुख्य आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है। धमाके में आठ लोग मारे गए थे। मुख्य आरोपी चंद्रकांत बनिक पटाखा निर्माण इकाई का मालिक है। यह इकाई उस घर से कुछ मीटर की दूरी पर स्थित है। यहां सोमवार देर रात विस्फोट हुआ था।सुंदरबन पुलिस जिले के एसपी कोटेश्वर राव ने पीटीआई को बताया, 'हमने विस्फोट के सिलसिले में मुख्य आरोपी चंद्रकांत बनिक को गिरफ्तार कर लिया है।' बनिक से पूरी रात पूछताछ की गई और बुधवार सुबह उसे गिरफ्तार कर लिया गया। इस सिलसिले में यह पहली गिरफ्तारी है, जबकि पुलिस बनिक के भाई की तलाश कर रही है, जो फरार है।एक अन्य पुलिस अधिकारी ने कहा, 'फोरेंसिक विशेषज्ञ इस बात की जांच कर रहे हैं कि जिस घर में विस्फोट हुआ, उसके अंदर पटाखे बनाने के लिए कच्चा माल रखा गया था या नहीं।' पथर प्रतिमा में एक आवासीय घर के अंदर गैस सिलेंडर फटने से चार बच्चों सहित एक ही परिवार के आठ लोगों की मौत हो गई। दरअसल, पश्चिम बंगाल के दक्षिण 24 परगना जिले के पाथर प्रतिमा में सोमवार रात भीषण हादसा हुआ था। यहां एक घर में गैस सिलेंडर में भीषण विस्फोट हुआ, जिसके कारण आठ लोगों की मौत हो गई थी। सुंदरबन पुलिस जिले के एसपी कोटेश्वर राव ने बताया कि मरने वालों में चार बच्चों और दो महिलाएं भी शामिल हैं। मृतक संभवतः एक ही परिवार के थे। उन्होंने यह भी बताया कि पाथर प्रतिमा ब्लॉक के धोलाघाट गांव में रात करीब 9 बजे विस्फोट हुआ था। विपक्ष के नेता सुवेंदु अधिकारी ने आरोप लगाया कि जिस इमारत में यह घटना हुई, वह क्रूड बम निर्माण इकाई थी।

कर्नाटक में कार दुर्घटना में एक ही परिवार के तीन की मौत; ठाणे में बैंक डकैती के आरोपी 16 साल बाद बरी

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)

कर्नाटक। कर्नाटक के चित्रदुर्ग में तेज रफ्तार कार के सड़क पर पलट जाने से एक ही परिवार के दो लड़कों समेत तीन लोगों की मौत हो गई। हादसे में तीन अन्य घायल हो गए। पुलिस के मुताबिक, एनएच-150-ए पर मंगलवार सुबह हुई यह दुर्घटना सीसीटीवी कैमरे में कैद हो गई। वीडियो में देखा जा सकता है कि कार डिवाइडर से टकराई और लगातार कम से कम 10 बार पलटी। प्रारंभिक जांच में पता चला है कि तेज रफ्तार कार के चालक ने कथित तौर पर नियंत्रण खो दिया और डिवाइडर से टकरा गई, जिसके बाद कार कम से कम 10 बार पलटी, जिससे कार चला रहे मौला अब्दुल (35) और उनके दो बेटों की मौत हो गई। घायलों को इलाज के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया है।इस बीच ठाणे जिले के डोंबिवली में बैंक में डकैती के 16 साल बाद एक अदालत ने चार आरोपियों को बरी कर दिया। कोर्ट ने यह माना कि अभियोजन पक्ष उचित संदेह से परे अपराध में उनकी संलिप्तता साबित नहीं कर सका। 24 मार्च के आदेश की एक प्रति मंगलवार को सामने आई। दरअसल, 13 नवंबर, 2009 को तीन लोग मनपाड़ा रोड पर यूनियन बैंक ऑफ इंडिया की शाखा में घुसे और हथियार लहराकर कर्मचारियों को धमकाते हुए 5,88,700 रुपये लूट ले गए। उन्होंने एक महिला कर्मचारी को उसकी सोने की अंगूठी और मोबाइल फोन सौंपने के लिए

भी मजबूर किया। भारतीय दंड संहिता और महाराष्ट्र संगठित अपराध नियंत्रण अधिनियम (मकोका) की संबंधित धाराओं के तहत मामला दर्ज किया गया था। पश्चिम बंगाल में भीषण सड़क हादसे की खबर है। मुर्शिदाबाद में एक डंपर ने दोपहिया वाहन को टक्कर मार दी। इस हादसे में एक ही परिवार के दो बच्चों समेत चार लोगों की मौत हो गई। मृतकों की पहचान एजाज शेख, तौहीक शेख, जाहुल शेख और दो वर्षीय आसिफ शेख के रूप में हुई है। वे फरक्का थाना क्षेत्र के महादेवनगर गांव के निवासी थे। पुलिस अधिकारी के मुताबिक दुर्घटना समशेरगंज इलाके में हुई। चार लोग डाक बंगला मोड़ से फरक्का जा रहे थे। डंपर ने पीछे से दोपहिया वाहन को टक्कर मारने के बाद चारों लोगों को कुचल दिया। अस्पताल में डॉक्टरों ने चारों को मृत घोषित कर दिया। डंपर चालक को गिरफ्तार किया गया है। झारखंड के पश्चिम सिंहभूम जिले के एक रिमांड होम से मंगलवार शाम को 21 नाबालिग निवासी फरार हो गए। पुलिस के अधिकारी ने बताया कि नाबालिगों ने पहले मुख्य प्रवेश द्वार को तोड़ा और फरार हो गए। उन्होंने बताया कि बाद में चार किशोरों का पता लगाकर उन्हें वापस रिमांड होम में लाया गया। डीआईजी मनोज रतन ने बताया कि यह घटना शाम करीब 6:30 बजे हुई। सूत्रों के मुताबिक लड़कों ने भागने से पहले सीसीटीवी कैमरे सहित कई चीजों में तोड़फोड़ की। पुलिस इस मामले की जांच कर रही है। पुलिस के मुताबिक बाकी फरार किशोरों को पकड़ने के लिए बड़े पैमाने पर तलाशी चल रही है। आंध्र प्रदेश में मुख्यमंत्री एन चंद्रबाबू नायडू की सरकार ने मुफ्त रसोई गैस सिलेंडर वितरण योजना 'दीपम-2' का दूसरा चरण शुरू कर दिया है। खाद्य एवं नागरिक आपूर्ति मंत्री एन मनोहर ने कहा है कि इस योजना से एक करोड़ से अधिक लोगों को लाभ मिलेगा। बता दें कि पिछले साल सत्ता में वापसी के बाद 31 अक्तूबर को सीएम नायडू ने श्रीकाकुलम जिले के इच्छापुरम में इस योजना का शुभारंभ किया था। अब तक दीपम योजना से 99 लाख से अधिक लोग लाभ पा चुके हैं। उनके बैंक खातों में सरकार की तरफ से 700 करोड़ रुपये से अधिक राशि जमा कराई गई है। दीपम स्कीम के तहत पात्र लाभार्थियों को हर चार महीने में एक सिलिंडर यानी साल में तीन सिलिंडर मिलते हैं।

गुजरात में पटाखा गोदाम का मालिक अरेस्ट; बनासकांठा में हुई थी 21 लोगों की मौत, 6 घायल इलाजरत

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)

नई दिल्ली। गुजरात के बनासकांठा में फैक्ट्री में हुए धमाके के बाद 21 लोगों की मौत के मामले में पुलिस ने गोदाम के मालिक को गिरफ्तार कर लिया है। हादसे के कुछ घंटों बाद हुई गिरफ्तारी के संबंध में बॉर्डर रेंज के पुलिस महानिरीक्षक चिराग कोराडिया ने बताया कि गोदाम में कथित तौर पर अवैध रूप से पटाखों का भंडारण और निर्माण किया जा रहा था। कोराडिया ने बताया कि गोदाम के मालिक दीपक मोहनानी को बनासकांठा पुलिस की एक टीम ने मंगलवार रात पड़ोस के ही साबरकांठा जिले से गिरफ्तार किया। धमाके के बाद आई शुरुआती सूचना में अधिकारियों ने बताया था कि गोदाम का नाम दीपक ट्रेडर्स है, जिसके मालिक दीपक और उसके पिता खूबचंद मोहनानी हैं। बता दें कि मंगलवार सुबह हादसा बनासकांठा जिले के डीसा कस्बे के पास हुआ। एक गोदाम में हुए विस्फोट के बाद लगी आग में 21 लोगों की मौत के अलावा छह लोग हताहत भी हुआ। घायलों का अस्पताल में इलाज कराया जा रहा है। सरकार ने पीड़ित परिवारों के लिए मुआवजे का एलान किया है। बनासकांठा में धमाके के बाद का मंजर काफी विचलित करने वाला है। विस्फोट मंगलवार सुबह लगभग 9.45 बजे हुआ। धमाके के बाद डीसा कस्बे के पास एक औद्योगिक क्षेत्र में बना गोदाम पूरी तरह ध्वस्त हो गया। स्थानीय लोगों के बयान से हादसे के बाद के भयावह मंजर का अंदाजा लगाया जा सकता है।

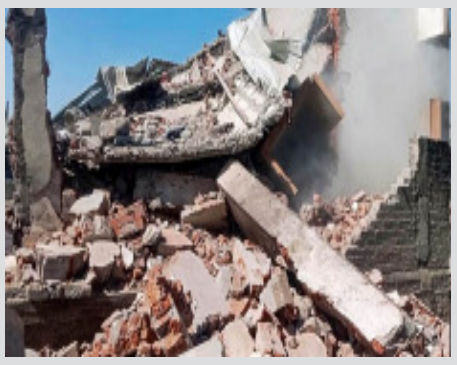

लोगों ने बताया कि गोदाम में मौजूद श्रमिकों के शरीर के अंग हवा में उड़कर 200-300 मीटर दूर जा गिरे। हादसे का बाद जिला कलेक्टर मिहिर पटेल ने बताया, सभी मृतक मूल रूप से मध्य प्रदेश के हरदा और देवास जिले के रहने वाले थे। 21 मृतकों में महिलाएं और बच्चे भी शामिल हैं। छह घायलों का इलाज कराया जा रहा है। कलेक्टर ने बताया कि 19 मृतकों की पहचान हो चुकी है। दो अन्य कि शिनाख्त के लिए डीएनए जांच कराई जा रही है। गुजरात के बनासकांठा जिले में मरने वाले 21 लोग मध्य प्रदेश के श्रमिक और उनके परिवार के सदस्य थे। इनमें से अधिकतर की मौत मलबा गिरने से हुई। पुलिस अधीक्षक (एझ) अक्षयराज मकवाना ने बताया, गोदाम में विस्फोट के कारण आग लगने और इमारत का कुछ हिस्से ढह जाने से कई लोग मलबे में दब गए। एसपी के मुताबिक पटाखों के भंडारण के लिए थी और अभी तक इस बात का कोई सुराग नहीं मिला है कि वहां पटाखे बनाए जा रहे थे। पटाखा गोदाम में विस्फोट के बाद आग लगने की सूचना मिलने पर राहत और बचाव कार्य के लिए पहुंचे डीसा नगरपालिका के दमकलकर्मियों ने आग पर काबू पाया। बचाव कार्य में सहायता के लिए राज्य आपदा मोचन बल (एसडीआरएफ) की एक टीम को भी तैनात किया गया। गुजरात के मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल ने मृतकों के परिवारों को 4 लाख रुपये और घायलों को 50,000 रुपये की आर्थिक सहायता देने की घोषणा की। मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री मोहन यादव ने कहा कि उनकी सरकार गुजरात सरकार के साथ लगातार संपर्क में है। घटना से प्रभावित श्रमिकों और उनके परिवारों की सहायता के लिए सभी आवश्यक प्रयास किए जाएंगे।

मणिपुर में पुलिस विभाग में बड़ा फेरबदल; वसूली के मामले में तीन गिरफ्तार

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)

मणिपुर। मणिपुर में बड़ा प्रशासनिक फेरबदल हुआ है और सरकार ने 14 पुलिस अधिकारियों का तबादला किया है। इनमें दो पुलिस अधीक्षक भी शामिल हैं। मणिपुर सरकार ने पुलिस महकमे में बड़ा बदलाव

किया है। इसके तहत 14 पुलिस अधिकारियों का तबादला किया गया है। तबादला किए गए अधिकारियों में दो पुलिस अधीक्षक भी शामिल हैं। जिरीबाम के पुलिस अधीक्षक शेख मोहम्मद जाकिर को काकचिंग का पुलिस अधीक्षक बनाया गया है। वहीं काकचिंग की एसपी प्रियदर्शिनी लेशराम को जिरीबाम का नया एसपी बनाया गया है। वहीं यारीपोक के एसडीपीओ गौरव डोगरा का ट्रांसफर सिंगजामेई एसडीपीओ के पद पर हुआ है। मणिपुर राइफल्स के असिस्टेंट कमांडेंट अभिनव को कांगपोकपी पुलिस में एडिश्नल सुपरीटेंडेंट का अतिरिक्त प्रभार दिया गया है। अकोइजाम सदानंद सिंह इंफाल ईस्ट के नए एडिश्नल एसपी ट्रैफिक होंगे। केइशाम बोजोउकुमार सिंह को एडिश्नल एसपी विजिलेंस बनाया गया है। रत्ताना नगासेकपम, सीआईडी के नए एडिश्नल एसपी होंगे। सुरक्षाबलों ने मणिपुर में तीन लोगों को गिरफ्तार किया है। ये लोग काकचिंग और इंफाल ईस्ट के प्रतिबंधित संगठन से जुड़े हैं। इन पर जबरन वसूली करने के आरोप लगे हैं। आरोपी काकचिंग जिले के ईईख्-ईद नामक प्रतिबंधित संगठन का सदस्य है। इसके दो सहयोगियों को भी गिरफ्तार किया गया है। पुलिस ने इंफाल वेस्ट के साजीरोक इलाके में तलाशी अभियान के दौरान हथियारों की बरामदगी भी की गई है।

विमानों को पट्टे पर देने के लिए कानून जरूरी, किराये में होगी कमी; विवादों को सुलझाने वाला बिल पारित

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)

नई दिल्ली। नया विमानन विधेयक पट्टे पर विमान लेने की लागत 8-10ज्ञ् तक घटाएगा, जिससे हवाई किराया कम हो सकता है। केपटाउन संधि के तहत विवादों का

समाधान होगा, जिससे विमानन उद्योग को स्थिरता मिलेगी। राज्यसभा ने विमानन क्षेत्र से जुड़े एक महत्वपूर्ण विधेयक को मंजूरी दे दी, जिसमें विमान एवं इंजन जैसी विमानन परिसंपत्ति की वसूली को लेकर एयरलाइन और पट्टा देने वालों के बीच विवादों का समाधान अंतरराष्ट्रीय संधि के अनुसार करने का प्रावधान है। उच्च सदन में विधेयक पर चर्चा का जवाब देते हुए नागर विमानन मंत्री राम मोहन नायडू ने कहा कि इससे हवाई किराए को कम करने में आंशिक रूप से मदद मिलने की उम्मीद है।विधेयक पर विपक्षी सांसदों के सभी संशोधन खारिज कर दिए गए। इससे पहले चर्चा का जवाब देते हुए नायडू ने कहा यह विधेयक भारत में विमानन के क्षेत्र में नई क्रांति का उदय करेगा। इसके माध्यम से केपटाउन संधि एवं प्रोटोकॉल को मंजूर किया है। इस पर भारत पहले ही हस्ताक्षर कर चुका है। अभी विमानन कंपनियों के विवादों के कारण उनके विमान खड़े हो जाते हैं। इससे उद्योग को खासा नुकसान पहुंचता है। खासतौर पर जो भी विमान को पट्टे पर देता है, उसे कई तरह से हानि उठानी पड़ती है। इसलिए केंद्र का मानना था कि विमान को पट्टे पर देने के लिए एक स्पष्ट कानून होने चाहिए। इसीलिए यह विधेयक लाया गया है।केंद्रीय मंत्री ने कहा कि इस कानून से विमानन क्षेत्र को कई तरह की सुविधाओं को लाभ मिलेगा। विधेयक पारित होने से पट्टे पर विमान लेने की लागत में 8 से 10 फीसदी की कमी आएगी। इसका सीधा लाभ यात्री किराये में मिल सकेगा।

केरल में पिछड़ी जाति के पुजारी ने छोड़ी नौकरी, जातीय भेदभाव होने का दावा

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)

नई दिल्ली। देवास्वम मंत्री वीएन वसावन ने बताया कि बालू की नियुक्ति नियमों के तहत हुई थी। उसने नौकरी छोड़ी। बालू नामक पुजारी राज्य में मंदिरों का प्रबंधन करने वाले देवास्वम रिक्रूटमेंट बोर्ड का कर्मचारी था और बोर्ड ने ही

उन्होंने कहा कि 'सरकार चाहती है कि बालू अपनी नौकरी पर वापस लौटे। हमने बालू को बताया कि सरकार उसकी हरसंभव मदद के लिए तैयार है, लेकिन इसके बावजूद उसने इस्तीफा दे दिया।' केरल के प्रसिद्ध कुदलमनिक्यम मंदिर के एक पिछड़ी जाति के कझकम (पुजारी) ने नौकरी से इस्तीफा दे दिया है। आरोप हैं कि इस पुजारी के साथ जातीय भेदभाव हुआ, जिसके चलते उसे पुजारी की जिम्मेदारी के लिए मंदिर में नियुक्त किया गया था। बालू ने मंगलवार शाम को अपना इस्तीफा बोर्ड के अधिकारियों को सौंप दिया। कझकम केरल में उन पुजारियों को कहा जाता है, जो भगवान की माला तैयार करने और अन्य पारंपरिक धार्मिक कामों को करते हैं। इस्तीफा देने वाला व्यक्ति बालू पिछड़ी जाति एझवा से ताल्लुक रखता है। इस घटना को लेकर एक बार केरल के मंदिरों में जातीय भेदभाव का मुद्दा गरमा गया है। इस मामले पर देवास्वम मंत्री वीएन वसावन ने बताया कि बालू की नियुक्ति नियमों के तहत हुई थी। उन्होंने कहा कि 'सरकार चाहती है कि बालू अपनी नौकरी पर वापस लौटे। हमने बालू को बताया कि सरकार उसकी हरसंभव मदद के लिए तैयार है, लेकिन इसके बावजूद उसने इस्तीफा दे दिया।' वीएन वसावन ने बताया कि बालू ने मांग की है कि उसे पुजारी की जिम्मेदारियों से मुक्त कर क्लर्क संबंधित काम दिया जाए तो वह अपने इस्तीफे पर विचार कर सकता है। देवास्वम बोर्ड ने साफ किया कि बालू ने निजी कारणों से इस्तीफा दिया है और इसमें बोर्ड की कोई भूमिका नहीं है। दावा किया जा रहा है कि बालू के साथ मंदिर के अन्य पुजारियों ने काम करने से मना कर दिया था। इसके बाद बालू को पुजारी की जिम्मेदारियों से हटा दिया गया था। बाद में उसे फिर से पूजा-पाठ से संबंधित जिम्मेदारियां दी गईं थी। बीते दिनों ने बालू ने स्वास्थ्य कारणों से छुट्टी देने की मांग की और फिर इस्तीफा दे दिया।

घरेलू उद्योगों की रक्षा भारतीय नीति; भारत डब्लू टी ओ सदस्य, शुल्क का दायरा नियमानुसार

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)

नई दिल्ली। टैरिफ को लेकर भारत सरकार की नीति के संबंध में संसद के बजट सत्र में केंद्र ने अहम जानकारी दी। अमेरिका के जवाबी शुल्क को लेकर पीयूष गोयल ने कहा कि हमारी टैरिफ नीति घरेलू उद्योगों की रक्षा पर आधारित है। केंद्रीय मंत्री जितिन प्रसाद ने लोकसभा में कहा कि भारत अंतरराष्ट्रीय व्यापार संगठन का सदस्य है, इसलिए टैरिफ दायरा नियमों के भीतर है। उन्होंने कहा, देश तरजीही मुक्त व्यापार समझौते की ओर बढ़ रहा है। अमेरिका के जवाबी शुल्क लगाने की समयसीमा दो अप्रैल से एक दिन पहले मंगलवार को केंद्र सरकार ने संसद में स्पष्ट कहा कि भारत की टैरिफ नीति का उद्देश्य व्यापार विनियमन व घरेलू उद्योगों की रक्षा करना है।केंद्रीय वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने लोकसभा में कहा कि भारत की टैरिफ नीति का मकसद आयातित व निर्यातित वस्तुओं पर करों से

राजस्व पैदा करना है। गोयल ने प्रश्नकाल में कहा, सरकार टैरिफ और भारत की आर्थिक वृद्धि पर उनके प्रभाव के बारे में नीति आयोग के हाल में दिए गए बयानों से अवगत है। यह बयान आर्थिक वृद्धि हासिल करने और वैश्विक अर्थव्यवस्था में भारत को अधिक आकर्षक स्थिति में पहुंचाने की हमारी रणनीति के अनुरूप है। उन्होंने कहा, हाल के सुधारों में टैरिफ संरचना सुव्यवस्थित करने व व्यापार सुविधाजनक बनाने पर जोर दिया गया है। मंत्री से पूछा गया था, क्या सरकार नीति आयोग के टैरिफ सुरक्षा से भारत को कोई लाभ नहीं वाले बयान से सहमत है।गोयल के अलावा केंद्रीय वाणिज्य एवं उद्योग राज्य मंत्री जितिन प्रसाद ने मंगलवार को लोकसभा में कहा कि भारत विश्व व्यापार संगठन (डब्ल्यूटीओ) का सदस्य है और किसी वस्तु पर लागू किए जा सकने वाले उसके अधिकतम टैरिफ से बंधा हुआ है।

ठाणे में पत्नी की हत्या के आरोप में पति गिरफ्तार; मुंबई में इमारत से कूदकर युवती ने की आत्महत्या

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)

मुंबई। ठाणे जिले के काशीमीरा इलाके में पत्नी की हत्या के आरोप में एक 22 वर्षीय युवक को गिरफ्तार किया गया है। आरोपी की पहचान पप्पू राठौड़ के रूप में हुई है। पुलिस के अनुसार, उसने सोमवार शाम को घर में अपनी पत्नी नसरीन राठौड़ (28) की कथित तौर पर गला घोंटकर हत्या कर दी। एक पड़ोसी ने शिकायत की, जिसके आधार पर आरोपी के खिलाफ बीएनएस की धारा 103(1) (हत्या) के तहत केस दर्ज किया गया है। पुलिस अधिकारी के अनुसार, हत्या के पीछे का मकसद अभी पता नहीं चल पाया है।मुंबई के दादर इलाके में एक 20 वर्षीय युवती ने 14 मंजिला इमारत से कूदकर आत्महत्या कर ली। पुलिस के अनुसार, मृतका की पहचान जाना सेठिया के रूप में हुई है। वह बीकॉम तृतीय वर्ष की छात्रा थी। उसने मंगलवार शाम हिंदू कॉलोनी में टेक्नो हाइट्स इमारत की छत से कथित तौर पर छलांग लगा दी। पुलिस ने बताया कि वह उसी इमारत की आठवीं मंजिल पर अपने माता-पिता के साथ रहती थी। एक अधिकारी ने बताया कि सेठिया और उसके दो दोस्त मंगलवार शाम छत पर गए थे। इस दौरान उसने अचानक इमारत से छलांग लगा दी। अस्पताल पहुंचने पर उसे मृत घोषित कर दिया गया। अधिकारी ने बताया कि कोई सुसाइड नोट नहीं मिला, लेकिन पुलिस को उसकी डायरी मिली, जिसमें उसने आत्महत्या के बारे में संकेत दिया था। उसके दोस्तों के अनुसार, वह प्रेम संबंध विफल होने के बाद अवसाद से ग्रस्त थी। कॉमेडियन कुणाल कामरा को महाराष्ट्र पुलिस ने तीसरा समन जारी किया है। राज्य के मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे पर आपत्तिजनक टिप्पणी करने के मामले में कामरा को पांच अप्रैल को पेश होने को कहा गया है। पुलिस ने बताया कि 36 साल के कामरा को उपनगरीय मुंबई के खार थाने में अधिकारियों के समक्ष पेश होने का निर्देश दिया गया है। पिछले महीने यहां उनके खिलाफ प्राथमिकी दर्ज की गई थी। इससे पहले पुलिस ने दो बार तलब किया था। हालांकि, कामरा पुलिस के समक्ष अब तक उपस्थित नहीं हुए हैं। बता दें कि एकनाथ शिंदे ने 2022 में शिवसेना से बगावत कर पार्टी दो फाड़ करने में अहम भूमिका निभाई थी। इस घटना पर कामरा ने पैरोडी गीत बनाया, जिसमें नाम लिए बिना शिंदे को गद्दार बताया। उनकी इस टिप्पणी से बौखलाए शिवसेना कार्यकर्ताओं ने कार्यक्रम की मेजबानी करने वाले स्टूडियो में तोड़पोड़ की थी। कामरा के खिलाफ मुंबई और शिंदे के राजनीतिक गढ़ ठाणे के अन्य पुलिस थानों में भी अलग-अलग एफआईआर दर्ज हैं। बॉम्बे हाईकोर्ट ने भारतीय प्रतिभूति एवं विनिमय बोर्ड (सेबी) की पूर्व अध्यक्ष माधबी पुरी बुच और पांच अन्य अधिकारियों के खिलाफ विशेष अदालत के आदेश पर रोक की अवधि बढ़ा दी है। इनपर शेयर बाजार में धोखाधड़ी और विनियामक उल्लंघन के लिए विशेष अदालत ने प्राथमिकी दर्ज करने का आदेश दिया था। न्यायमूर्ति शिवकुमार डिगे ने मंगलवार को कहा कि मामले में मूल शिकायतकर्ता ने हलफनामा दायर किया है और बुच व अन्य को इसे पढ़ने के लिए समय दिया गया है। हाईकोर्ट ने पिछले महीने विशेष अदालत के आदेश पर अंतरिम रोक लगाते हुए कहा था कि यह आदेश यंत्रवत पारित किया गया था और इसमें आरोपी की कोई विशेष भूमिका नहीं बताई गई थी। न्यायमूर्ति डिगे ने कहा कि पहले दी गई अंतरिम राहत अगले आदेश तक जारी रहेगी और इस मामले में सात मई को सुनवाई होगी। पिछले महीने बुच समेत सेबी के तीन वर्तमान पूर्णकालिक निदेशकों ने विशेष अदालत के आदेश के खिलाफ हाईकोर्ट का रुख किया था।

एक किलो 630 ग्राम गांज बरामद किया गया

(आधुनिक समाचार नेटर्वक) सोनभद्र। थाना रामपुर बरकोनिया पुलिस द्वारा एक अभियुक्त को गिरफ्तार कर उसके कब्जे से कुल 01 किलो 630 ग्राम गांजा बरामद किया गया। श्रीमान् पुलिस अधीक्षक सोनभद्र महोदय द्वारा अपराध एवं अपराधियो के विरुद्ध चलाये जा रहे अभियान के क्रम में अपर पुलिस अधीक्षक (आप0) महोदय एवं श्रीमान क्षेत्राधिकारी सदर महोदय के कुशल पर्यवेक्षण एवं श्रीमान् थानाध्यक्ष महोदय के निर्देशन में अवैध मादक पदार्थ एवं शस्त्र की बरामदगी हेतु चलाये जा रहे अभियान के दौरान थाना रामपुर बरकोनिया सोनभद्र पुलिस द्वारा दिनांक 31.03.2025 को एध् कमल नयन दूबे व उ0नि0 वीरेन्द्र राय मय हमराह मय वाहन सरकारी जीप्सी यू0पी0 64 जी 0052 चालक के रवाना सुदा रो0 आम तारीखी इमरोजा के देखभाल क्षेत्र, रोकथाम जूर्म जरायम, चेकिंग सदिग्ध व्यक्ति / वाहन के क्षेत्र में भ्रमण शील होकर मऊकला तिराहे पर पहूँचा कि तभी सूचना मिली कि साहब अभी अभी एक व्यक्ति धंधरौल डैम की तरफ चुर्क जाने वाले रोड़ पर प्लास्टिक के झोले मे कुछ संदिग्ध वस्तु लिये साईकिल से चुर्क की तरफ जा रहा है, अभी बहूत दूर नही गया होगा अगर जल्दी करे तो उसे पकड़ा जा सकता है। मुखबिर खास कि इस सूचना पर मऊकलाँ तिराहा से 01 कि.मी. आगे धंधरौल डैम जाने वाले मार्ग से एक व्यक्ति मुन्ना शाह पुत्र मजीद निवासी सिल्थरी चौकी चुर्क थाना रावर्टसगंज जनपद सोनभद्र उम्र करीब 58 वर्ष की गिरफ्तारी व उसके कब्जे से एक प्लास्टिक का झोला मे 01 किलो 630 ग्राम अवैध गांजा समय करीब 16.40 बजे बरामद किया गया उक्त गिरफ्तारशुदा अभियुक्त को मय बरामद माल के थाना हाजा लाकर मुकदमा पंजीकृत कर विधिक कार्यवाही की जा रही हैं। मु0अ0सं0 - 28 / 2025 धारा 8/20 एन.डी.पी.एस एक्ट थाना रामपुर बरकोनिया जनपद सोनभद्र।बरामद मालः 1. अवैध गाजा- एक प्लास्टिक के झोला मे 01 किलो 630 ग्राम 2. एक अदद साईकिल 3. जामातलाशी से 250 रुपये नदद बरामद हुआ पूछताछ विवरण अभियुक्त - अभियुक्त मुन्ना शाह उपरोक्त द्वारा बताया गया कि साहब गांजा बेचने का काम मै काफी समय से कर रहा हूँ, आज मै इसे पहाड़ से खरीद कर नाम पता मै नही जानता हूँ, बेचने हेतु लेकर अपने घर सिल्थरी चौकी चुर्क थाना रावट्र्सगंज सोनभद्र जा रहा था कि आप लोगो ने पकड़ लिया। साहब पकड़े जाने पर मै कई बार जेल भी गया हूँ, गांजा बेचने का धंधा करता हूँ। नाम पता गिरफ्तारशुदा अभियुक्त- 1- मुन्ना शाह पुत्र मजीद निवासी सिल्थरी चौकी चुर्क थाना रावर्टसगंज जनपद सोनभद्र उम्र करीब 58 वर्ष। अभियुक्त का अपराधिक इतिहास - 1.मु0अ0सं0 367 / 2008 धारा 08 / 20 एनडीपीएस एक्ट थाना रावट्र्सगंज सोनभद्र 2.मु0अ0सं0 1211 / 2009 धारा 60 आबकारी अधिनियम थाना रावट्र्सगंज सोनभद्र 3.मु0अ0सं0 42 / 2017 धारा 60 आबकारी अधिनियम थाना रावट्र्सगंज सोनभद्र। 4.मु0अ0सं0 273 / 2020 धारा 60(2) आबकारी अधिनियम थाना रावर्टसगंज जनपद सोनभद्र। 5.मु0अ0सं0 296 / 2020 धारा 8 / 20 एनडीपीएस एक्ट थाना रावर्टसगंज जनपद सोनभद्र। 6.मु0अ0सं0 516 / 2024 धारा 8 / 20 एनडीपीएस एक्ट थाना रावर्टसगंज जनपद सोनभद्र। 7.मु0अ0सं0 28 / 2025 धारा 8 / 20 एनडीपीएस एक्ट थाना रामपुर बरकोनिया जनपद सोनभद्र। गिरफ्तारी करने वाली टीम- 1. श्री कमल नयन दूबे थानाध्यक्ष थाना रामपुर बरकोनिया सोनभद्र। 2. उ0नि0 वीरेन्द्र राय थाना रामपुर बरकोनिया सोनभद्र। 3. हे0का0 संजय प्रताप सिंह थाना रामपुर बरकोनिया सोनभद्र। 4. का0 बब्बल सिंह यादव थाना रामपुर बरकोनिया सोनभद्र। 5. का0 दीपक मिश्रा थाना रामपुर बरकोनिया सोनभद्र।

भाजपा नेता विपिन तिवारी ने..किया जरूरत मंद लोगों में मच्छरदानी का वितरण

(आधुनिक समाचार नेटर्वक) सोनभद्र। करमा क्षेत्र के ग्राम पंचायत सिरसिया ठकुराई खैरपूर में जरूरतमंद लोगों को भाजपा नेता काशी क्षेत्र के मीडिया प्रभारी विपिन तिवारी ने मच्छरदानी वितरत किया. गर्मी शुरू होते ही गांवों में मच्छरों की वजह से तमाम प्रकार की बीमारियों फैल रही है, मलेरिया, टायफाइट, डेंगू ऐसे ही बहुत सी गंभीर बीमारियाँ फैल रही है.आम जन मानस ऐसी तमाम मौसमी गंभीर बीमारियों से ग्रसित हो रहा है, बीमारियों से बचाव की विचार धारा रखते हुए भाजपा नेता ने जरूरत मंद लोगो में आज मच्छरदानी का वितरण किया.,इस मौके पर जिलापंचायत अध्यक्ष प्रतिनिधि अरुण सिंह पटेल., पूर्व जिला पंचायत सदस्य नागेंद्र कोल. पूर्व प्रधान भारूहाँ रमेश चौहान, समाज सेवी राजन सिंह,मुन्ना पटेल आदि उपस्थित रहे!

अटेवा ने एनपीएस/यूपीएस के विरोध में काला दिवस मना कर जताया विरोध

(आधुनिक समाचार नेटर्वक) सोनभद्र। नेशनल मूवमेंट फॉर ओल्ड पेंशन स्कीम (ञ्ध्झ्ए) के राष्ट्रीय नेतृत्व व अटेवा उत्तर प्रदेश के आवाह्न पर एनपीएस तथा यूपीएस के विरोध में पूरे देश में काला दिवस मनाया गया।केंद्र सरकार द्वारा 1 जनवरी 2004 तथा उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा 1 अप्रैल 2005 को एनपीएस लागू किया गया था तथा अब 1अप्रैल 2025 से भारत सरकार ने केंद्र की नौकरियों में यूपीएस लागू करने का निर्णय लिया है इस निर्णय का पूरे देश का शिक्षक व कर्मचारी विरोध कर रहा है। इसलिए आज पूरे देश के शिक्षक व कर्मचारियों ने काली पट्टी बांधकर अपना विरोध प्रकट कर सरकार से एनपीएस व यूपीएस को समाप्त कर पुरानी पेंशन व्यवस्था बहाली की मांग की। राष्ट्रीय तथा प्रदेश नेतृत्व के आह्वान के क्रम में जनपद सोनभद्र में भी अटेवा जिलाध्यक्ष राजकुमार मौर्य के नेतृत्व मे शिक्षक व कर्मचारियों ने काली पट्टी बांधकर अपने कार्य स्थल पर काम करते हुए सरकार से पुरानी पेंशन बहाली की मांग की तथा प्रधानमंत्री को सम्बोधित ज्ञापन जिलाधिकारी को एनपीएस या यूपीएस को समाप्त कर पुरानी पेंशन बहाल कराने के लिए दिया। जिसमें विभिन्न कर्मचारी संगठनों में राजकीय शिक्षक संघ, लेखपाल संघ, रेलवे संघ, टीएससीटी संघ, पीडब्ल्यूडी संघ, पंचायती राज्य कर्मचारी संघ पूर्व माध्यमिक संघ, प्रोटॉन संघ, स्वास्थ्य विभाग के अध्यक्ष व नेताओं ने भाग लिया सभी ने एक स्वर में यूपीएस को हटाकर पुरानी पेंशन बहाली की मांग की। श्री सिंह ने कहा कि राष्ट्रीय कार्यकारणी में लिए गए निर्णय के अनुसार आज पूरे देश में काला दिवस मनाया गया तथा जिलाधिकारी के माध्यम से प्रधानमंत्री को पुरानी पेंशन बहाल कराने के लिए ज्ञापन दिया गया है और आगे 1 मई को दिल्ली के जंतर मंतर पर मज़दूर दिवस के दिन पूरे देश के शिक्षक, कर्मचारी एकत्रित हो दिल्ली की केंद्र सरकार से पुरानी पेंशन बहाली की मांग करेगें। अटेवा मण्डलीय मंत्री रामगोपाल यादव ने कहा कि सरकार देश के अर्धसैनिक बलों को पुरानी पेंशन बहाल कर उनके बुढ़ापे की लाठी को मजबूत करें।

स्कूल चलो अभियान व संचारी रोगों के विरुद्ध अभियान का हुआ शुभारंभ

(आधुनिक समाचार नेटर्वक) सोनभद्र। उत्तर प्रदेश सरकार के समग्र शिक्षा अभियान के तहत सोनभद्र के बगुआरी ग्राम पंचायत के गड़ौरा मजरे से सोनभद्र जिलाधिकारी बद्रीनाथ सिंह जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी मुकुल आनंद पांडे मुख्य चिकित्सा अधिकारी अश्विनी सिंह स्कूल चलो अभियान और संचारी रोगों के विरुद्ध अभियान का प्रारम्भ किया इस अवसर पर जिलाधिकारी ने उपस्थित जन समुदाय से 6 से 14 वर्ष तक के सभी बच्चों को स्कूल में नामांकित करने के साथ ही नित्य प्रति स्कूल भेजने का अनुरोध किया बच्चों को समझाया कि नित्य प्रति स्कूल आने से ही उनका भविष्य बेहतर हो सकता है वह एक सुयोग्य शिक्षित नागरिक बन सकते हैं इस अवसर पर जिलाधिकारी ने बेसिक शिक्षा विभाग की विभिन्न योजनाओं ऑपरेशन कायाकल्प डीबीटी निशुल्क पाठ्य पुस्तक वितरण मध्याह्न भोजन के महत्व पर प्रकाश डाला जिला अधिकारी ने 15 अप्रैल तक सभी 6 से 14 वर्ष के बच्चों का नामांकन करने हेतु अध्यापकों को निर्देशित किया संचारी रोगों के प्रसार को रोकने हेतु जिलाधिकारी महोदय द्वारा उपस्थित जब जन समुदाय वी बालकों को शपथ भी दिलाई गई। हाथ धुलाई,शौचालय व मच्छरदानी का प्रयोग के महत्व आदि पर भी प्रकाश डाला गया इस अवसर पर मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ अश्वनी सिंह जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी मुकुल आनन्द पांडेय जिला सूचना विज्ञान अधिकारी विनय सिंह खंड शिक्षा अधिकारी धनंजय कुमार सिंह क्वॉलिटी कोऑर्डिनेटर वरुण त्रिपाठी प्रधानाध्यापक कमलेश सिंह संदीप पांडेय सहित अन्य अध्यापक ग्राम प्रधान प्रतिनिधि एवं अन्य ग्रामवासी तथा स्वास्थ्य कर्मी भी उपस्थित रहे।

अप्रैल माह की ग्राम चौपाल के लिए अधिकारी नामित

(आधुनिक समाचार नेटर्वक) रायबरेली। मुख्य विकास अधिकारी अर्पित उपाध्याय ने माह अप्रैल 2025 के प्रत्येक शुक्रवार को समस्त विकास खंडों की ग्राम पंचायतों में आयोजित होने वाली "ग्राम चौपाल" (गाँव की समस्याए गाँव में समाधान) के लिए विकास खण्डवार रोस्टर निर्धारित किया है। निर्धारित रोस्टर के अनुसार परियोजना निदेशक, जिला ग्राम्य विकास अभिकरण, जिला विकास अधिकारी, उपायुक्त, श्रम रोजगार एवं उपायुक्त, स्वतः रोजगार द्वारा ग्राम पंचायतों में आयोजित होने वाले ग्राम चौपाल में से किसी एक विकासखंड की ग्राम चौपाल में प्रतिभाग कर जनसमस्याओं का निस्तारण किया जायेगा। निर्धारित रोस्टर के अनुसार 04 अप्रैल को परियोजना निदेशक, जि0ग्रा0वि0अभि0 विकास खण्ड ऊँचाहार में, जिला विकास अधिकारी विकास खण्ड अमावां में, उपायुक्त, श्रम रोजगार विकास खण्ड दीनशाहगौरा में एवं विकास खण्ड सतांव में उपायुक्त, स्वतः रोजगार की अध्यक्षता में किसी एक विकास खण्ड के ग्राम चौपाल में प्रतिभाग कर जनसमस्याओं का निस्तारण किया जायेगा। इसी प्रकार 11 अप्रैल को परियोजना निदेशक, जि0ग्रा0वि0अभि0 छतोह में, जिला विकास अधिकारी बछरावां में, उपायुक्त, श्रम रोजगार डीह में एवं उपायुक्त, स्वतः रोजगार जगतपुर में। 18 अप्रैल को परियोजना निदेशक, जि0ग्रा0वि0अभि0 शिवगढ़ में, जिला विकास अधिकारी सरेनी में, उपायुक्त, श्रम रोजगार हरचन्दपुर एवं उपायुक्त, स्वतः रोजगार डलमऊ में। 25 अप्रैल को परियोजना निदेशक, जि0ग्रा0वि0अभि0 लालगंज में, जिला विकास अधिकारी रोहनियां में, उपायुक्त, श्रम रोजगार महराजगंज में एवं उपायुक्त, स्वतः रोजगार विकास खण्ड सलोन के किसी एक ग्राम चौपाल में प्रतिभाग कर जनसमस्याओं का निस्तारण करायेंगे।

सोनभद्र, मिर्जापुर

108 पान की पट्टी से ग्यारह दिनों तक प्रभु को चढ़ा चढ़ावा

(आधुनिक समाचार नेटर्वक) सोनभद्र। रावटसगंज ब्लॉक के महुआ गांव स्थित संकट मोचन हनुमान मंदिर में अंतरराष्ट्रीय श्री सीताराम नाम बैंक के शाखा प्रबंधक रमाकांत शुक्ला की ओर से विगत 11 दिनों से पान के पत्ते पर श्री राम राम लिखकर जप करते हुए पूजा अर्चना किया जा रहा है राम राम लिखकर भगवान प्रभु श्री राम को याद कर हनुमान जी को 108 पान की पट्टी का प्रतिदिन ग्यारह दिनों तक माल्यार्पण किया जाएगा है शाखा प्रबंधक रमाकांत शुक्ला ने कहा कि राम नाम स्मरण के लिए श्री सीताराम नाम पुस्तक का भी वितरण किया जा रहा है

जिससे लोग घर बैठे प्रभु श्री राम का नाम लिखकर स्मरण कर रहे हैं जिससे उनका मोक्ष की प्राप्ति मिलेगी उनकी मनोकामना कामना पूर्ण होने की प्रभु श्री राम से कामना की जा रही है। इस मौके पर जितेंद्र शुक्ला, वीरेंद्र ,धर्मेंद्र ,सत्यम, विकास, अंकित समेत अन्यलोक शामिल है।

एडीओ पंचायत के संरक्षण में नगवां ब्लॉक के ग्राम पंचायतों में खूब फल फूल रहा भ्रष्टाचार

(आधुनिक समाचार नेटर्वक) सोनभद्र। नगवां ब्लॉक के ग्राम पंचायतों में हो रहे भ्रष्टाचार को एडीओ पंचायत का खुला संरक्षण मिल रहा है आंख बंद कर कर दी जांच शिकायतकर्ता द्वारा लगाए गए आरोपों में नही दिखी सच्चाई ग्राम प्रधान को बताया दूध का धुला हुआ शिकायत कर्ता को ही कर दिया झूठा साबित। जानकारी के अनुसार ग्राम पंचायत नंदना में हुए सरकारी धन के दुरुपयोग और विकास कार्यों में हुए भ्रष्टाचार को लेकर पिछले महीने कुछ प्रमुख समाचार पत्रों चैनलों और पोर्टलों पर खबर प्रकाशित की गई थी और ये मामला काफी चर्चित हुआ था उसी दौरान ग्राम पंचायत में सरकारी धन के बंदरबांट गलत उपयोग को लेकर मुख्यमंत्री पोर्टल पर शिकायत दर्ज कराई गई थीं जिसकी जांच उपनिदेशक पंचायती मंडल मिर्जापुर ने इसकी जांच के लिए डीपीआरओ सोनभद्र को नामित किया डीपीआरओ ने जांच के लिए एडीओ पंचायत नगवां को अधिकृत किया काफी जद्दोजहद के बाद एडीओ पंचायत जांच में तो गए पर उन्हें जांच में कही कोई कमी नहीं मिली मेहरबानी इतनी की प्रधान द्वारा अपने खेत में कराए गए सरकारी बोर से खेत की सिंचाई करते हुए नहीं दिखा और ग्राम प्रधान द्वारा अपने सगे संबंधियों के निजी घर तक सरकारी धन से कराए जा रहे सीसी रोड का निर्माण कार्य भी नहीं दिखा जिसका काफी हद तक पेमेंट भी हो चुका है। शिकायतकर्ता ने एडीओ पंचायत की जांच से संतुष्ट नहीं है शिकायतकर्ता का कहना है कि जांच से पहले एडीओ पंचायत ने फोन कर ग्राम प्रधान के विरुद्ध किए गए शिकायतों का साक्ष्य प्रस्तुत करने को बोले थे सारे साक्ष्य और रिकॉर्ड तो ब्लॉक में ही है फिर एडीओ पंचायत की साक्ष्य की मांग समझ से परे है काफी हिला हवाली के बाद जांच तो हुई लेकिन ग्राम प्रधान को बचाया गया है । इस मामले को लेकर जब डीपीआरओ सोनभद्र का पक्ष जानने का प्रयास किया गया तो उनका फोन नही उठा कई बार फोन करने के बहुत डीपीआरओ द्वारा फोन रिसीव नहीं किया गया ।मुख्यमंत्री उत्तर प्रदेश सरकार का सभी अधिकारियों को साफ आदेश है कि किसी भी हाल में सीयूजी नंबर उठाना है लेकिन जिम्मेदार अधिकारी मुख्यमंत्री के आदेशों की धज्जियां उड़ाते है।सूत्रों की मानी जाय तो एडीओ पंचायत ने ग्राम प्रधान से जांच के एवज में मोटी रकम लेकर ग्राम प्रधान के पक्ष में गलत झूठी आख्या लगाई गई है इस मामले में शिकायत कर्ता द्वारा बहुत जल्द ही जिलाधिकारी सोनभद्र से मिलकर पूरे प्रकरण की उच्चस्तरीय जांच की मांग की जाएगी।

सीएनजी टेंपो स्टैंड की मांग को लेकर किया विरोध प्रदर्शन

(आधुनिक समाचार नेटर्वक) सोनभद्र। कलेक्ट्रेट परिसर में शनिवार को सीएनजी टेंपो स्टैंड ना होने तथा आए दिन अवैध तरीके से चालान किए जाने को लेकर आक्रोशित ऑटो चालक परिचालक स्वामीयो द्वारा विरोध प्रदर्शन करते हुए जिलाधिकारी नामित ज्ञापन संबंधित को देखकर बुलंद की गई आवाज। अधिष्ठा कर रहे प्रकाश चौरसिया ने बताया की नगर में टेंपो स्टैंड चिन्हित ना होने पर आए दिन ऑटो चालकों का चलन वह पुलिस का पतन झेलना पड़ता है वहीं ऑटो चालकों ने बताया कि ऑटो चालकों के सामने बहुत बड़ा समस्या उत्पन्न हो रहा है संबंधित अधिकारियों से वार्ता कर ऑटो चालकों के लिए चिन्हित स्टैंड कराया जाए जिससे कि हम लोग अपना स्थान रख कर कार्य करें सीएनजी टेंपो स्टैंड की सुविधा मिलने पर हम ऑटो चालकों के समस्याओं का समाधान हो पाएगा इस मौके पर सोनू, विकास ,रामबाबू ,धर्मराज सहित आदि लोग मौजूद रहे।

कार्यालय ग्राम पंचायत सहिजनकला, विकास खण्ड-रा.गंज., जनपद सोनभद्र

पत्रांक/मेमो टेण्डर सूचना/2025-2026 दिनांक - 01.04.2025

अल्पकालीन निविदा/कोटेशन सूचना

सर्वसाधारण कसे सूचित किया जाता है कि ग्राम पंचायत सहिजनकला में वितीय वर्ष 2025-2026 में राज वित्त आयोग/ तेरहवां वित्त आयोग/ जिला योजना/ स्वच्छ मिशन/ मरनेगा/चतुर्थ राज वित्त/ चौदहवा वित्त/पन्द्रहवा वित्त/डी0ऍम0ऍफ एवं अन्य प्राप्त निधियों दारा धनराशि से निर्माण कराये जाने हेतु व्यापारकर एवं आयकर विभाग में पंजीकृत फर्मो द्वारा ग्राम पंचायत परिधि अन्दर निम्न विवरणानुसार कार्यस्थल पर सामग्री आपूर्ति कराने हेतु अल्पकालीन निविदा आमंत्रित की जाती है। इच्छुक आपूर्तिकर्ता फर्म के लेटर पैड पर दिनांक 02.04.2025 से 08.04.2025 को 4 PM बजे तक ग्राम प्रधान पंचायत कार्यालय पर शीलबंद निविदा जमा कर सकते है। जिसे दिनांक- 09.04.2025 को 2 PM बजे समिति टेण्डर दाताओ जो उपस्थित रहना चाहते है के समक्ष खोला जायेगा। टेडर फार्म ग्राम पंचायत सहिजनकला कार्यालय पर दिनांक 02.04.2025 से दिनांक- 08.04.2025 को 12 PM बजे तक 500 रुपये जमा कर प्राप्त किया जा सकता है।

क्र0सं0	विवरण	मात्रक
1	ईट प्रथम श्रेणी एवं द्वितीय श्रेणी	प्रति हजार
2	इन्टरलाकिंग ईट	प्रति नग
3	मोटा बालू महीन बालू	प्रति घनमीटर
4	मोरम	प्रति बोरी
5	सीमेंट	प्रति बोरी
6	गिट्टी सोलिंग 40–90/**40-90mm 40-60mm**	घनमीटर
7	डाला गिट्टी	प्रति घनमीटर
8	सरिया	प्रति कुंतल
9	हैडपंप/रिबोर सामग्री	प्रति नग
10	जे0सी0बी0 कम्प्रेसर/मिक्सर मशीन/रोलर	प्रति घण्टा
11	टैक्टर द्वारा मिट्टी की ढुलाई	प्रति ट्रैक्टर
12	बोल्डर ढोका **6.9''**	प्रति नग
13	हयूम पाईप	प्रति घनमीटर
14	फावडा गोइता, टगाडी, पन्नी, सफाई किट	प्रति नग
15	स्ट्रीट लाईट/वायरिंग सामग्री, सोलर लाइट पैनल, **RO**प्लांट सहित	प्रति नग
16	शौचालय, दरवाजा, सीट, पत्थर	प्रति नग
17	टाइल्स, प्लास्टिक, सीट, पेन्ट डिसटेम्पर, प्राइमर, डी0पी0सी0 पाउडर, कोटा स्टोन आदि	
18	पानी टैंकर द्वारा जल आपूर्ति	प्रति नग
19	लोहे का दरवाजा/ एल्मुनियम का दरवाजा	प्रति दिन
20	स्टोन डस्ट	कुंतल/अदद
21	बोल्डर, पाटिया, गाटर	प्रति घनमीटर
22	बिजली वायरिंग का सामान व अन्य सामग्री	
23	रिबोर, समरसेबुल, पानी वायरिंग सामग्री	
24	ई–रिक्शा और पैडल ई–रिक्शा	प्रति नग
25	(डी0एम्0एफ0) स्कुल कायाकल्प हेतु	
26	इत्यादि सामग्री ग्राम पंचायत में आवस्यकतानुसार	
27	ग्राम पंचायत में टैंकर का क्रय	
28	स्वच्छता सम्बंधित किट/ स्वच्छ पेयजल	
29	सफाई कर्मी किट सामग्री	
30	सेनिटाइजर मशीन/ फागिंग मशीन	

प्रतिबन्ध एवं शर्तेः- 1. निविदा में सम्मिलित दरे सभी कर सहित एवं लोक निर्माण विभाग की स्वीकृत दर से अधिक नही होनी चाहिए।2. कार्य विवरण एवं सामग्री सम्बन्धित जानकारी किसी भी कार्य दिवस में प्राप्त की जा सकती है। सामग्री की आपूर्ति का स्वीकृत होने के अपरान्त की जायेगी तथा सामग्री कार्यस्थल तक पहुंचाने की जिम्मेदारी सम्बन्धित फर्म होगा। 3. जमानत धनराशि व अन्य जानकारी प्राप्ति हेतु ग्राम पंचायत कार्यालय मे सम्पर्क कर सकते है। खराब आपूर्ति की दशा में जमानत की राशि जप्त कर ली जायेगी।4. सशर्त निविदा स्वीकार नही की जायेगी। 5. बिना कारण बताये किसी भी समय निविदा निरस्त करने का अधिकर अधोहस्ताक्षरी का होग। 6. सामग्री को कार्य स्थल तक पहुंचाने की जिम्मेदारी सप्लायर की होगी। 7. जमानत राशि परियोजना लागत का 5 प्रतिशत जमा होगी जिसे कार्य पूर्ण होने पर वापस किया जायेगा। 8. अनुबंध स्वीकृत होने के पश्चात दर संशोधित होने तक अथवा एक माह के अंदर आपूर्ति करना अनिवार्य है।

ग्राम पंचायत विकास अधिकारी/ग्राम प्रधान
ग्राम पंचायत- सहिजनकला विकास खण्ड-रा.गंज
जनपद सोनभद्र।

सरकार की उपलब्धि घर-घर तक पहुंचा रहे कार्यकर्ताःविनय श्रीवास्तव

(आधुनिक समाचार नेटर्वक) **सोनभद्र।** भारतीय जनता पार्टी प्रदेश संगठन के द्वारा सरकार के 8 वर्ष पूर्ण होने पर घर-घर संपर्क अभियान के तहत आज सोनभद्र नगर मंडल की टीम नगर अध्यक्ष विनय श्रीवास्तव के नेतृत्व में सोनभद्र नगर के राजकीय कन्या प्रथम शक्ति केंद्र पर बूथ संख्या 32 के अध्यक्ष चंदन मोदनवाल के साथ सरकार की उपलब्धियां के बारे में घर-घर संपर्क कर सरकार की उपलब्धियां और योजना की जानकारी के बारे में बताया गया इस अभियान का प्रारंभ नगर अध्यक्ष के नेतृत्व में किया गया इस अवसर पर आनंद गुप्ता अनुपम तिवारी धीरेंद्र पांडे अशोक भारती अजय श्रीवास्तव आलोक रावत अनुराग सिंह अभिषेक गुप्ता सभासद आनंद चौरसिया आशीष केसरी प्रकाश केसरी उपस्थित रहे।

कांग्रेसियों ने चतरा ब्लॉक का घेराव कर किया प्रदर्शन

(आधुनिक समाचार नेटर्वक) **सोनभद्र।** पूर्व में कांग्रेस पार्टी द्वारा जनता की समस्याओं को लेकर खंड विकास अधिकारी कार्यालय चतरा का घेराव किया गया था और खंड विकास अधिकारी के नाम संबोधित ज्ञापन भी दिया गया था। लेकिन निर्धारित समय के अंदर समस्याओं का निस्तारण न होने पर पूर्व निर्धारित कार्यक्रम के तहत शनिवार को जिला कांग्रेस कमेटी सोनभद्र के पूर्व जिला महासचिव निगम मिश्रा के नेतृत्व में जनता की समस्याओं को लेकर खंड विकास अधिकारी कार्यालय पर धरना प्रदर्शन किया गया धरना प्रदर्शन को संबोधित करते हुए निगम मिश्रा ने कहा कि भाजपा सरकार में भ्रष्टाचार बहुत तेजी से बड़ा है शिकायत करने पर भी कोई अधिकारी और कर्मचारी सुनने वाला नहीं है। इस सरकार में अधिकारी और कर्मचारियों बे लगाम हो गए हैं। केंद्र

और प्रदेश सरकार की सारी योजनाओं में भ्रष्टाचार चरम पर है। सभा को संबोधित करते हुए नागेंद्र देव पांडे ने कहा कि बीजेपी सरकार में झूठ और भ्रष्टाचार चरम पर है। सरकार की तरह अधिकारी और कर्मचारी भी झूठ बोल रहे हैं। विकास के नाम पर लूट मची हुई है लेकिन विकास कहीं नहीं दिखाई दे रहा है। कर्म ब्लॉक अध्यक्ष बंशीधर देव पांडे ने कहा कि भाजपा सरकार में अघोषित आपातकाल लागू है जो सरकार के खिलाफ आवाज उठाता है उसके ऊपर गलत आरोप लगाकर प्रथम सूचना रिपोर्ट दर्ज करा दिया जाता है। इस सरकार के डर के मारे कोई भी आमजन और नेता अपनी आवाज मजबूती से नहीं उठा पा रहे हैं। धरना प्रदर्शन में निगम मिश्रा, नागेंद्र देव पांडे, शैलेंद्र श्रीवास्तव, मोहरमानी पाठक, लक्ष्मीकांत द्विवेदी, रफीक, रामवृक्ष विश्वकर्मा, फैज वारिस, रुक्मणी भारती, गुलाम रसूल, राजेश विश्वकर्मा, सुरेश विश्वकर्मा, मुन्नी भारती, सलीम खान, बीतुली भारती, मीणा, कलावती, सोना, आशा, भगवती ,तेतरी उर्मिला हीरावती अमरावती ,जसोदा, सुभावती,अहराजी आदि उपस्थिति रहे।

निषाद पार्टी का सदस्यता अभियान शुरू, क्षेत्रीय कार्यालय चोपन में कैडर कार्यक्रम आयोजित

(आधुनिक समाचार नेटर्वक) **चोपन सोनभद्र ।** कैबिनेट मंत्री डॉ. संजय कुमार निषाद जी के निर्देशानुसार शुक्रवार को निषाद पार्टी की क्षेत्रीय कार्यालय चोपन में कैडर कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता जिला अध्यक्ष अनिकेत निषाद ने की, जबकि जिले के जिला प्रभारी अरविंद निषाद मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे।बैठक में जिला प्रभारी अरविंद निषाद ने नए सदस्यों को पार्टी की सदस्यता दिलाई, वहीं समस्त पदाधिकारियों ने पुनः सदस्यता ग्रहण की। इस अवसर पर उन्होंने पार्टी की नीतियों एवं आगामी कार्य योजनाओं पर विस्तार से चर्चा की। कार्यक्रम के दौरान जिले में निषाद पार्टी का सदस्यता अभियान आधिकारिक रूप से प्रारंभ किया गया। इस अभियान के तहत अधिक से अधिक लोगों को पार्टी से जोड़ने का लक्ष्य रखा गया है। बैठक में अन्य पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता भी उपस्थित रहे।

आल्पकालीन निविदा/कोटेशन सूचना 2025-26

कार्यालय ग्राम पंचायत- करारी
पत्रांक-

विकास खंड- राबर्ट्सगंज जिला सोनभद्र
दिनांक- 01.04.20

सर्वसाधारण को सूचत किया जाता है कि ग्राम पंचायत करारी में वित्तीय वर्ष 2025-26 मे मनरेगा/राज्य वित्त/केन्द्रीय वित्त/SLWM/SBM अन्य निधियों से प्राप्त धनराशि से निमार्ण कराये जाने हेतु व्यापार कर विभाग आयकर में पंजीकृत फर्मो के द्वारा ग्राम पंचायत परिधि के अन्दर निम्न विवरणनुसार कार्यस्थल पर सामग्री आपूर्ति कराने हेतु अल्पकालीन निविदा आमंत्रित की जाती है। ईंट प्रथम श्रेणी, सोलर लाईट,स्ट्रीटा लाईट, टैंकर क्रय, टैंकर मरम्मत बालू, डाला गिट्टी, सोलिंग गिट्टी, इंटरलॉकिंग ईट, सीमेंट पटिया, टीन शेड, ऐजबेस्टेस सीट, शौचालय निर्माण सामग्री, PVC पाईप बौल्डर, सरिया, स्टोन डस्ट, GSB, हैडपंप सामग्री, हैडपंप रिबोर/बोर, पेन्टिग सामग्री, ई-रिक्शा, ढेला-गाडी, सफाईकर्मी , किट हयूम पाईप, सीमेन्ट बेंच, लोहे का (दरवाजा, खिडकी,एंगल,पाईप), बिजली वायरींग सामग्री, समरसिवल पंप सोलर पंप, अन्य सामग्री। इच्छुक आपुर्तिकर्ता निविदा दिनांक 04.04.2025 सें 12.04.2025 तक ग्राम पंचायत कार्यालय पर 10.00 से 02.00 बजे तक जमा कर सकते हैं। जिसमें दिनांक 16.04.2025 को 10.00 बजे निविदा दाता उपस्थित रहना चाहतें है के समक्ष ग्राम पंचायत कार्यालय पर खोला जायेगा।

प्रतिबंध और शर्तेः- 1- निविदा की सभी दरें कर सहित लोक निर्माण विभाग की स्वीकृत दर से अधिक नही होनी चाहिए। 2- जमानत धनराशी और अन्य जानकारी हेतु ग्राम पंचायत कार्यालय से सम्पर्क कर सकते हैं। 3- खराब आपूर्ति की दशा में जमानत की राशि जब्त की जायेगी। 4- सशर्त निविदा स्वीकार्य नही की जायेगी। 5- बिना कारण बताये किसी भी समय निविदा निरस्त करने का अधिकर अधोहस्ताक्षरी का होगा।

ग्राम प्रधान- करारी
विकास खंड- राबर्ट्सगंज सोनभद्र

ग्राम पंचायत0 सचिव- करारी
विकास खंड- राबर्ट्सगंज सोनभद्र

स्पोर्ट्स

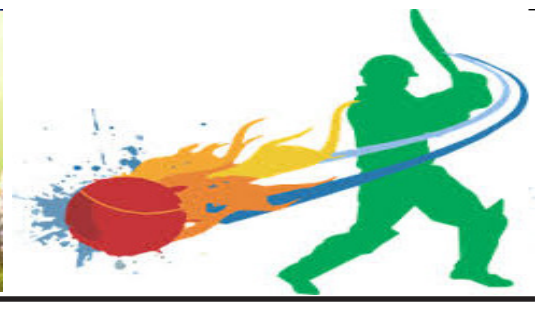

गुजरात के खिलाफ फ्लॉप रहे कोहली के फैंस ने अभिनेता अरशद वारसी को किया ट्रोल, वजह जानकर चौंक जाएंगे

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
नई दिल्ली। आरसीबी और जीटी के बीच मुकाबले में विराट कोहली सात रन बनाकर आउट हुए। विराट अब तक कुछ खास टच में दिखे नहीं हैं। अब आरसीबी को सात अप्रैल को मुंबई इंडियंस का सामना करना है। फैंस विराट से उस मैच में रन बनाने की उम्मीद करेंगे। आईपीएल 2025 में बुधवार को रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु को गुजरात टाइटंस के खिलाफ अपने घर में हार का सामना करना पड़ा। 170 रन के लक्ष्य को शुभमन गिल की टीम ने आठ विकेट रहते हासिल कर लिया। बेंगलुरु की यह इस सीजन की पहली हार रही। सबसे खास बात इस मैच में विराट कोहली के बल्ले का खामोश रहना रहा। वह सात रन बनाकर आउट हुए। उन्हें बाएं हाथ के तेज गेंदबाज अरशद खान ने प्रसिद्ध कृष्णा के हाथों कैच कराया। हालांकि, विराट के आउट होने के बाद सोशल मीडिया पर अचानक अभिनेता अरशद वारसी ट्रेंड करने लगे। कोहली और आरसीबी के फैंस ने सोशल मीडिया पर अरशद वारसी को ट्रोल कर दिया। अरशद वारसी के फोटोज पर फैंस खूब कमेंट कर रहे हैं। आइए जानते हैं...दरअसल, फैंस अरशद वारसी को अरशद खान समझ बैठे और

उन्हें ट्रोल करने लगे। विराट के आउट होने के बाद फैंस ने अरशद वारसी को कोहली को आउट करने के लिए जिम्मेदार ठहराया और उनके खिलाफ अपशब्द का भी प्रयोग किया। अरशद वारसी ने अजय देवगन के साथ फोटो शेयर की तो उस पर एक फैन ने लिखा- कोहली को आउट क्यों किया? दूसरे फैन ने लिखा- सर्किट भाई, विराट का विकेट क्यों लिया? अरशद वारसी का कमेंट सेक्शन इन्हीं कमेंट से भर गया। मैच की बात करें तो चिन्नास्वामी स्टेडियम में खेले गए इस मुकाबले में पहले बल्लेबाजी करते हुए आरसीबी ने 20 ओवर में आठ विकेट गंवाकर 169 रन बनाए थे। जवाब में गुजरात ने 17.5 ओवर में दो विकेट गंवाकर लक्ष्य हासिल कर लिया। आरसीबी की टीम एक समय 42 रन पर चार विकेट गंवा चुका थी, लेकिन लिविंगस्टोन ने 40 गेंद में पांच छक्कों और एक चौके से 54 रन की पारी खेलने के अलावा जितेश शर्मा (33) के साथ पांचवें विकेट के लिए 52 और टिम डेविड (32) के साथ सातवें विकेट के लिए 46 रन जोड़कर आरसीबी का स्कोर आठ विकेट पर 169 रन तक पहुंचाया। इसके जवाब में टाइटंस ने जोस बटलर की 39 गेंद में छह छक्कों और पांच चौकों से नाबाद 73 रन की पारी के अलावा सलामी बल्लेबाज साई सुदर्शन (49 रन) के साथ उनकी दूसरे विकेट की 75 और शेरफेन रदरफोर्ड (18 गेंद में नाबाद 30 रन, तीन छक्के-एक चौका) के साथ तीसरे विकेट की 63 रन की अटूट साझेदारी से 17.5 ओवर में दो विकेट पर 170 रन बनाकर आसान जीत हासिल की। आरसीबी का अगला मैच सात अप्रैल को मुंबई इंडियंस से वानखेड़े में है। वहीं, गुजरात की टीम अपने अगले मैच में छह अप्रैल को हैदराबाद में सनराइजर्स का सामना करेगी।

पंजाबी आ गए ओए किंग्स और रॉयल्स के बीच मुकाबले से पहले हाउस फुल, मुल्लांपुर में बरसेंगे चौके-छक्के

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
नई दिल्ली। मोहाली के मुल्लांपुर क्रिकेट स्टेडियम में पंजाब किंग्स और राजस्थान रॉयल्स के बीच पांच अप्रैल को मुकाबला खेला जाएगा। इस मुकाबले के लिए हाउस फुल हो गया है। क्योंकि मैच की सारी टिकट बिक चुकी हैं। लगातार दो मुकाबले जीतने के बाद पंजाब किंग्स के खिलाड़ियों के हौसले बुलंद हैं। अब किंग्स की बारी अपने होम ग्राउंड पीसीए स्टेडियम मुल्लांपुर में दहाड़ने की है। यहां पर पंजाब किंग्स और राजस्थान रॉयल्स के बीच 5 अप्रैल को मुकाबला होगा। पंजाब किंग्स ने पहले मुकाबले में गुजरात टाइटंस को 74 रन से हराया। वहीं, मंगलवार को दूसरे मुकाबले में लखनऊ सुपर जायट्स को आठ विकेट से हराकर जलवा दिखा दिया। पंजाब किंग्स की टीम बुधवार देर शाम शहर पहुंच गई। वीरवार को टीम मुल्लांपुर स्टेडियम में अभ्यास सत्र में हिस्सा लेगी। वहीं, राजस्थान की टीम वीरवार को शहर पहुंच जाएगी और दोनों टीमें अभ्यास सत्र में हिस्सा लेंगी। पंजाब किंग्स ने 18वें सीजन के लिए इस बार नए कप्तान और नए कोच का दामन थामा है। कप्तान के तौर पर श्रेयस अय्यर हेड कोच के तार पर रिकी पोटिंग ने मोर्चा संभाला है। श्रेयस अय्यर टीम प्रबंधन के फैसले पर खरे उतर है।

जीत की पटरी पर लौटने को बेताब होंगी कोलकाता और हैदराबाद, जानिए संभावित प्लेइंग 11

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
नई दिल्ली। बीते वर्ष आईपीएल का फाइनल खेलने के बाद आज फिर भिड़ेंगी दोनों टीमें, दो मैच हारे हैं दोनों ने कोलकाता। सितारों की मौजूदगी के बावजूद कोलकाता नाइटराइडर्स और सनराइजर्स हैदराबाद की आईपीएल- 18 में शुरुआत संतोषजनक नहीं रही है। दोनों ही टीमों ने अब तक तीन-तीन मैच खेले हैं। इनमें उन्हें दो में हार मिली है और एक मैच जीता है। दोनों ही टीमें बीते वर्ष आईपीएल का फाइनल खेली थीं, जहां कोलकाता को जीत मिली थीं। ख्ब्ंि ॅ्रिप् ईत्बिहु 11 ऊर्दब्ं ईैम्प् ः गुरुवार को दोनों टीमें एक बार फिर आमने-सामने होंगी तो उनकी निगाहें वापस जीत की पटरी पर आने की होंगी। केकेआर के कप्तान अजिंक्य रहाणे ने सत्र के पहले मैच में रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु से मिली हार के बाद कहा था कि घबराने की कोई जरूरत नहीं है। गुरुवार को दोनों टीमें एक बार फिर आमने-सामने होंगी तो उनकी निगाहें वापस जीत की पटरी पर आने की होंगी। केकेआर के कप्तान अजिंक्य रहाणे ने सत्र के पहले मैच में रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु से मिली हार के बाद कहा था कि घबराने की कोई जरूरत नहीं है, लेकिन तीन मैचों में दो हार के बाद उनकी टीम का मनोबल कुछ गिरा होगा। खासतौर पर मुंबई के खिलाफ मिली करारी हार ने उन्हें अंदर से हिलाया होगा। पिछले सत्र में केकेआर ने सिर्फ तीन मैच गंवाए थे। अब फोकस एक बार फिर ईडन गार्डेन की पिच पर होगा। आरसीबी से सात विकेट से मिली हार के बाद पिच की काफी आलोचना हुई है। बंगाल क्रिकेट संघ पर दबाव है कि स्पिनरों से भरी केकेआर की टीम के अनुकूल पिच बनाई जाए। केकेआर के पास सुनील नरेन, मोइन अली और वरुण चक्रवर्ती जैसे धुरंधर स्पिनर हैं। सनराइजर्स हैदराबाद ने पहले मैच में आईपीएल का दूसरा बड़ा स्कोर 286 रन बनाए थे, लेकिन पिछले दो मैचों में यह टीम 200 रन भी नहीं बना पाई है। अभिषेक शर्मा ओपनिंग में नहीं चले हैं। उनकी बेहद आक्रामक बल्लेबाजी की रणनीति भी पुख्ता साबित नहीं हुई है। पिछले दो मैचों में उसे लखनऊ और दिल्ली कैपिटल्स के हाथों हार मिली। कमिंस की टीम को पिछले आईपीएल फाइनल में मिली हार का बदला चुकता करने के लिये अपने प्रदर्शन में काफी सुधार करना होगा। उम्मीद की जा रही है कि ईडन गार्डेन की पिच पर कमिंस और शमी खतरनाक हो सकते हैं। शमी ने अब तक इस आईपीएल में प्रभावित नहीं किया है।

पंजाब के खिलाफ मुकाबले में बतौर कप्तान वापसी करेंगे संजू सैमसन,बीसीसीआई से मिली विकेटकीपिंग की इजाजत

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
नई दिल्ली। रियान के नेतृत्व में राजस्थान को तीन में से दो मैचों में हार का सामना करना पड़ा। अब स्टार विकेटकीपर बल्लेबाज पूरी तरह फिट होकर वापसी के लिए आगामी मुकाबले में विकेटकीपिंग भी कर सकते हैं।राजस्थान रॉयल्स ने एक विज्ञप्ति में कहा, राजस्थान रॉयल्स के कप्तान संजू सैमसन को रिकवरी के बाद विकेटकीपिंग की जिम्मेदारी फिर से संभालने के पर अंगुली में चोट लग गई थी। इसके बाद उनकी सर्जरी हुई। सैमसन पिछले तीन मैचों में राजस्थान के लिए इम्पैक्ट खिलाड़ी के तौर पर खेलते नजर आए थे। उनकी जगह रियान

तैयार हैं। ऐसे में फैंस को उनसे बेहतर प्रदर्शन की उम्मीद है। आईपीएल की मौजूदा अंक तालिका में राजस्थान रॉयल्स दो अंकों के साथ नौवें पायदान पर है। पंजाब किंग्स के खिलाफ मुकाबले से पहले राजस्थान रॉयल्स के लिए बड़ी खुशखबरी आई है। स्टार विकेटकीपर बल्लेबाज संजू सैमसन बतौर कप्तान वापसी के लिए तैयार हैं। उन्हें भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) के सेंटर ऑफ एक्सलेंस (सीओई) ने पूरी तरह फिट घोषित कर दिया है। अब वह लिए राष्ट्रीय क्रिकेट अकादमी (एनसीए) से मंजूरी मिल गई है। एनसीए की मेडिकल टीम द्वारा उनकी फिटनेस का गहन मूल्यांकन करने के बाद मंजूरी मिली है। इस सकारात्मक विकास के साथ, सैमसन अपनी पूर्ण नेतृत्व भूमिका में लौट आएंगे और पंजाब किंग्स के खिलाफ टीम के अगले मैच से कप्तानी फिर से शुरू करेंगे। सैमसन फरवरी में पांचवें टी20 मैच के दौरान चोटिल हो गए थे। बल्लेबाजी करते वक्त जोफ्रा आर्चर की गेंद पराग ने टीम की कमान संभाली थी। रियान के नेतृत्व में राजस्थान को तीन में से दो मैचों में हार का सामना करना पड़ा। अब स्टार विकेटकीपर बल्लेबाज पूरी तरह फिट होकर वापसी के लिए तैयार हैं। ऐसे में फैंस को उनसे बेहतर प्रदर्शन की उम्मीद है। आईपीएल की मौजूदा अंक तालिका में राजस्थान रॉयल्स दो अंकों के साथ नौवें पायदान पर है। अब पांच अप्रैल (शनिवार) को उनका सामना पंजाब किंग्स से होगा।

गुजरात के खिलाफ क्यों हारी आरसीबी की टीम कप्तान रजत पाटीदार ने बताई वजह, शीर्ष क्रम पर ठीकरा फोड़ा

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
नई दिल्ली। कप्तान रजत पाटीदार ने स्वीकार किया कि उनकी टीम को शुरुआत में अधिक विकेट गंवाने का नुकसान उठाना पड़ा। आरसीबी तक पहुंचाया। इसके जवाब में टाइटंस ने जोस बटलर की 39 गेंद में छह छक्कों और पांच चौकों से नाबाद 73 रन की पारी के अलावा सलामी बल्लेबाज साई सुदर्शन (49 इस मैच में हमें नुकसान पहुंचाया। इरादा अच्छा था लेकिन पावरप्ले में तीन विकेट गंवाने ने अंतर पैदा किया।' पाटीदार ने कहा कि दूसरी पारी में पिच बल्लेबाजी के लिए थोड़ी

की टीम एक समय 42 रन पर चार विकेट गंवा चुका थी, लेकिन लिविंगस्टोन, जितेश और टिम डेविड की बदौलत आरसीबी 169 रन बनाने में कामयाब रही। कप्तान रजत पाटीदार ने स्वीकार किया कि उनकी टीम को शुरुआत में अधिक विकेट गंवाने का नुकसान उठाना पड़ा। आरसीबी की टीम एक समय 42 रन पर चार विकेट गंवा चुका थी, लेकिन लिविंगस्टोन ने 40 गेंद में पांच छक्कों और एक चौके से 54 रन की पारी खेलने के अलावा जितेश शर्मा (33) के साथ पांचवें विकेट के लिए 52 और टिम डेविड (32) के साथ सातवें विकेट के लिए 46 रन जोड़कर आरसीबी का स्कोर आठ विकेट पर 169 रन रन) के साथ उनकी दूसरे विकेट की 75 और शेरफेन रदरफोर्ड (18 गेंद में नाबाद 30 रन, तीन छक्के-एक चौका) के साथ तीसरे विकेट की 63 रन की अटूट साझेदारी से 17.5 ओवर में दो विकेट पर 170 रन बनाकर आसान जीत हासिल की। मोहम्मद सिराज ने 19 रन देकर तीनस जबकि साई किशोर ने 22 रन देकर दो विकेट चटकाए जिससे आरसीबी ने नियमित अंतराल पर विकेट गंवाए। पाटीदार ने कहा कि उनकी की टीम नजरें 190 के आसपास का स्कोर बनाने पर थी। पाटीदार ने मैच के बाद कहा, '200 नहीं, लेकिन हम 190 के आसपास के स्कोर को लक्ष्य बना रहे थे। शुरुआती विकेटों ने बेहतर हो गई थी। आरसीबी के कप्तान ने कहा, 'दूसरी पारी में पिच थोड़ी बेहतर हो गई (बल्लेबाजी के लिए), लेकिन जिस तरह से हमारे गेंदबाजों ने गेंदबाजी की वह शानदार था। उन्होंने कड़ी मेहनत की और यह आसान नहीं था।' पाटीदार ने जितेश, लिविंगस्टोन और टिम डेविड की भी सराहना की। उन्होंने कहा, 'तीन विकेट गिरने के बाद जिस तरह से जितेश, लियाम और टिम ने बल्लेबाजी, वह देखना शानदार था और इस मैच से सकारात्मकता मिली। हम अपनी बल्लेबाजी इकाई के बारे में बहुत आश्वस्त हैं और वे जिस तरह से इरादा दिखा रहे हैं, वह एक सकारात्मक संकेत है।

एटलेटिको को हराकर बार्सिलोना फाइनल में, चिर प्रतिद्वंद्वी रियल मैड्रिड से होगा खिताबी मुकाबला

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
नई दिल्ली। बार्सिलोना की तरफ से फेरान टोरेस ने पहले हाफ में गोल किया जो आखिर में निर्णायक साबित हुआ। इससे पहले इन दोनों टीमों के बीच फरवरी में खेला गया सेमीफाइनल के पहले लेग का खेल 4-4 से बराबर रहा था स्पेन के दिग्गज फुटबॉल क्लब बार्सिलोना ने बुधवार को एटलेटिको मैड्रिड को कोपा डेल रे टूर्नामेंट के सेमीफाइनल के दूसरे लेग में 1-0 से हराकर फाइनल में जगह बनाई। खिताबी मुकाबले में अब उसका सामना अपने चिर प्रतिद्वंद्वी रियल मैड्रिड से होगा। बार्सिलोना की तरफ से फेरान टोरेस ने पहले हाफ में गोल किया जो आखिर में निर्णायक साबित हुआ। इससे पहले इन दोनों टीमों के बीच फरवरी में खेला गया सेमीफाइनल के पहले लेग का खेल 4-4 से बराबर रहा था। इस तरह से बार्सिलोना ने कुल मिलाकर 5-4 से जीत दर्ज करके फाइनल में जगह बनाई। यह पिछले चार सत्र में पहला अवसर है जब बार्सिलोना इस टूर्नामेंट के फाइनल में पहुंचा है।रियल मैड्रिड ने मंगलवार को अतिरिक्त समय तक चले मैच में रियल सोसिदाद को 5-4 के कुल स्कोर से पराजित करके फाइनल में जगह बनाई थी।

राशि फल

कुछ कार्य जिसकी पिछले कुछ दिनों से प्लानिंग चल रही है, आज शुरू हो सकता है, जिससे आपको आर्थिक स्थिति में लाभ होगा। व्यापार-व्यवसाय में परिवर्तन की योग बन रहे हैं	आज का दिन अच्छा है। परिवार में कोई नया सदस्य आ सकता है। आपके स्वास्थ्य में उतार-चढ़ाव देखने को मिलेगा। व्यापार आदि में सहयोगी पार्टनर के माध्यम से आय के नए स्रोत बनेंगे	किसी कार्य विशेष को लेकर आज यात्रा आदि पर बाहर जा सकते हैं। यात्रा में सावधानी बरतें, नहीं तो आपको नुकसान हो सकता है। साथ ही परिवार में किसी अपने के स्वास्थ्य से आप चिंतित रह सकते हैं।	आज आप व्यर्थ की भागदौड़ से परेशान हो सकते हैं। आपका मन अशांत रहेगा। कार्य की अधिकता के कारण थकावट आदि महसूस होगी।
आज आप मानसिक रूप से उलझे रहेंगे। किसी बात को लेकर परिवार में परेशानी बढ़ सकती है, लेकिन आप अपनी कुशलता से उसे हल करने में सफल होंगे। स्वास्थ्य ठीक रहेगा।	नौकरी आदि के लिए यदि प्रयास कर रहे हैं तो, आज आपको सफलता मिलेगी। स्वास्थ्य आपका ठीक रहेगा, परंतु परिवार में माता-पिता का स्वास्थ्य बिगड़ सकता है।	आज आपका कोई महत्वपूर्ण कार्य न होने से आप मानसिक तौर से परेशान रह सकते हैं। आर्थिक स्थिति के कारण आपको किसी से मदद मांगनी पड़ सकती है। व्यापार-व्यवसाय में भी इस समय गिरावट महसूस होगी।	आज आप पतनी के स्वास्थ्य को लेकर कुछ परेशान रहेंगे। परिवार के लोग सहयोग करेंगे। व्यापार-व्यवसाय में अपने साथियों के विरोध के कारण आपको बड़ा नुकसान हो सकता है।
स्वास्थ्य को लेकर आप परेशान हो सकते हैं। साथ ही नौकरी आदि में अधिकारी वर्ग से मतभेद बढ़ने से आपकी परेशानी बढ़ेगी।	आज का दिन आपके लिए लाभदायक रहेगा। किसी अपने के द्वारा आपको कार्यक्षेत्र में बड़ा काम मिल सकता है, जिस कारण मन प्रसनन्‍ रहेगा।	आत्मविश्वास में कमी रहेगी। मानसिंक शांति रहेगी लेकिन असंतोष भी रहेगा। परिवार में शांति बनी रहेगी। पिता का सहयोग मिलेगा।	मान-सम्मान बढ़ेगा। नौकरी में पदोन्नति के योग हैं। आत्मविश्वास बन रहेगा। शिक्षा से जुड़े काम सफल होंगे।

गुजरात ने रोका आरसीबी का विजय रथ, मोहम्मद सिराज के बाद जोस बटलर ने मचाया धमाल; अंक तालिका में बदलाव

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
नई दिल्ली। मौजूदा सत्र में यह गुजरात की लगातार दूसरी जीत है जबकि आरसीबी को लगातार दो मैचों में जीत के बाद पहली बार मुंह की खानी पड़ी। रजत पाटीदार के नेतृत्व वाली टीम इस शिकस्त के साथ अंक तालिका के शीर्ष पायदान से लुढ़क कर तीसरे स्थान पर पहुंच गई। उनका नेट रन रेट 1.149 ही रह गया। मौजूदा सत्र में यह गुजरात की लगातार दूसरी जीत है जबकि आरसीबी को लगातार दो मैचों में जीत के बाद पहली बार मुंह की खानी पड़ी। रजत पाटीदार के नेतृत्व वाली टीम इस शिकस्त के साथ अंक तालिका के शीर्ष पायदान से लुढ़क कर तीसरे स्थान पर पहुंच गई। उनका नेट रन रेट 1.149 ही रह गया। वहीं, गुजरात चौथे स्थान पर चार अंक और 0.807 के नेट रन रेट के साथ है। पहले स्थान पर चार अंक और 1.485 के नेट रन रेट के साथ पंजाब किंग्स है। 170 रन के लक्ष्य का पीछा करने उतरी गुजरात को साई सुदर्शन और शुभमन गिल ने सधी शुरुआत दिलाई थी। दोनों के बीच पहले विकेट के लिए 32 रनों की साझेदारी हुई। भुवनेश्वर कुमार ने पांचवें ओवर में कप्तान को लिविंगस्टोन को कैच आउट कराया। वह 14 रन बनाकर आउट हुए। इसके बाद मोर्चा जोस बटलर ने संभाला। उन्होंने साई सुदर्शन के साथ दूसरे विकेट के लिए 47 गेंदों में 75 रनों की ताबड़तोड़ साझेदारी की। इस दौरान सुदर्शन सिर्फ एक रन से अपना अर्धशतक पूरा करने से चूक गए। वह 36 गेंदों में सात चौकों और एक छक्के की मदद से 49 रन बनाने में कामयाब हुए। चौथे नंबर पर बल्लेबाजी के लिए आए शेरफेन रदरफोर्ड भी शानदार फॉर्म में नजर आए। उन्होंने बटलर के साथ तीसरे विकेट के लिए 63 रन की नाबाद साझेदारी की और टीम को जीत दिलाई। विकेटकीपर बल्लेबाज बटलर 73 और रदरफोर्ड 30 रन बनाकर नाबाद रहे। आरसीबी के लिए भुवनेश्वर कुमार और जोस हेजलवुड ने एक-एक विकेट चटकाया। इससे पहले गुजरात की घातक गेंदबाजी के आगे आरसीबी का बल्लेबाजी क्रम ताश के पत्तों की तरह ढह गया। उनके लिए लियाम लिविंगस्टोन ने सर्वाधिक 54 रन बनाए। उनके अलावा जितेश शर्मा ने 33 और टिम डेविड ने 32 रन बनाए। वहीं, विराट कोहली सात, फिल सॉल्ट 14, देवदत्त पडिक्कल चार, रजत पाटीदार चार और क्रुणाल पांड्या पांच रन बनाकर आउट हुए। गुजरात के लिए मोहम्मद सिराज ने तीन और साई किशोर ने दो विकेट झटके। अरशद खान, प्रसिद्ध कृष्णा, ईशांत शर्मा को एक-एक सफलता मिली।

सम्पादकीय

अस्मिता और उन्नयन का कालखंड, दुनिया में पहचाना जा रहा उत्तर प्रदेश

अटल जी की पंक्ति है, 'अपनी ध्येय-यात्रा में हम कभी रुके नहीं, किसी चुनौती सम्मुख, कभी झुके नहीं...।' इसी ध्येय के साथ बिना रुके, बिना थके, बिना डिगे, बिना झुके वंचितों को वरीयता देते हुए 25 करोड़ प्रदेश वासियों की सेवा, सुरक्षा और समृद्धि को समर्पित 'कर्तव्य साधना' के आठ वर्ष कब पूर्ण हो गए, आभास ही नहीं हुआ। इन आठ वर्षों में उत्तर प्रदेश ने राज्य के प्रति धारणा बदलने में सफलता प्राप्त की है। कभी बीमारू राज्य कहा जाने वाला उत्तर प्रदेश आज व्यवसाय एवं निवेश का सर्वश्रेष्ठ ठिकाना बनकर देश और दुनिया में पहचाना जा रहा है। उत्तर प्रदेश आज 'ग्रोथ गियर' है। हमें विरासत में अराजकता, अव्यवस्था और अपराध के

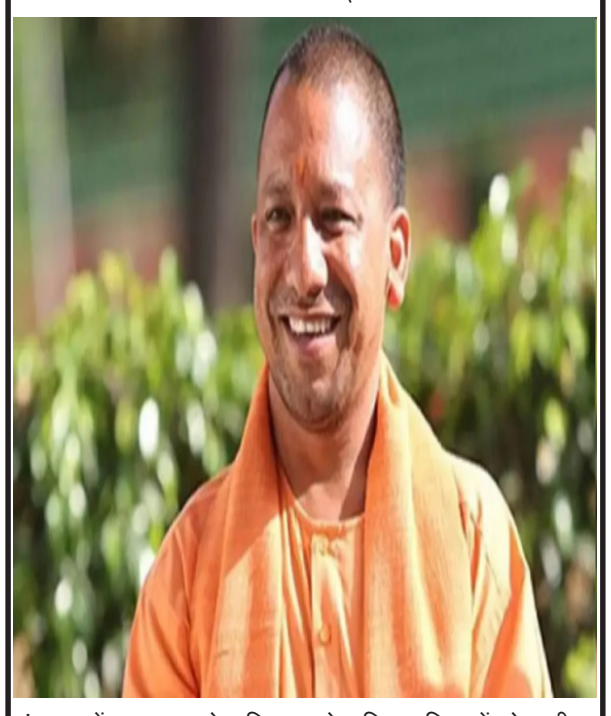

अंधकार में डूबा हुआ प्रदेश मिला था। ऐसे राज्य को सुरक्षित परिवेश, मजबूत इन्फ्रास्ट्रक्चर, सुगम कनेक्टिविटी और उद्यम अनुकूल नीतियों द्वारा निवेशकों का ड्रीम डेस्टिनेशन बनाने में हम लोग सफल रहे। विगत आठ वर्षों में प्रदेश को प्राप्त हुए 45 लाख करोड़ रुपये से अधिक के निवेश प्रस्ताव इसकी पुष्टि करते हैं। इनमें से 15 लाख करोड़ रुपये से अधिक के निवेश प्रस्तावों को धरातल पर उतारा जा चुका है। इनके माध्यम से 60 लाख से अधिक युवाओं को नौकरी तथा अन्य लाखों लोगों हेतु रोजगार का सृजन हुआ है। स्थापित सत्य है कि सुरक्षा के सुपथ पर ही विकास कुलांचे भरता है और सुगम कनेक्टिविटी उसे तीव्रता प्रदान करती है। 'नया उत्तर प्रदेश' उसका जीवंत उदाहरण है। महान चिंतक पंडित दीनदयाल उपाध्याय जी ने कहा था कि समाज के अंतिम पायदान पर खड़े व्यक्ति का विकास ही अंत्योदय है। प्रधानमंत्री मोदी के यशस्वी मार्गदर्शन में डबल इंजन सरकार की हर योजना में यह भाव श्वास लेता है। यही कारण है कि बीते आठ वर्षों में प्रदेश सरकार ने छह करोड़ से अधिक लोगों को गरीबी रेखा से ऊपर उठाने में सफलता प्राप्त की है। प्रदेश के 15 करोड़ निर्धनों को प्रतिमाह निःशुल्क अनाज, 1.86 करोड़ से अधिक परिवारों को निःशुल्क गैस कनेक्शन, 2.86 करोड़ से अधिक किसानों को प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि का लाभ, प्रधानमंत्री जन आरोग्य योजना के तहत 5.21 करोड़ लाभार्थियों को पांच लाख रुपये तक का चिकित्सा सुरक्षा कवच, 56.50 लाख से अधिक परिवारों को निःशुल्क आवास जैसे अनेक कल्याणकारी उपहारों ने प्रदेश के करोड़ों नागरिकों के जीवन को बेहतर बनाया है 'सभी को आवास' के संकल्प की सिद्धि के लिए प्रधानमंत्री आवास योजना एवं मुख्यमंत्री आवास योजना के हर उस लाभार्थी को आवासीय पट्टा अनिवार्य रूप से उपलब्ध कराया गया है, जिनके पास भूमि नहीं थी। ऐसा करने वाला उत्तर प्रदेश देश का प्रथम राज्य है। यही तो है अंत्योदय। आजादी से लेकर 2017 तक प्रदेश में 12 मेडिकल कालेज थे। आज राज्य में 44 राजकीय मेडिकल कालेज और 36 निजी मेडिकल कालेजों सहित 80 मेडिकल कालेज संचालित हैं। गोरखपुर और रायबरेली में एम्स का संचालन आरंभ हो गया है। 'एक जनपद-एक मेडिकल कालेज' की संकल्पना उत्तर प्रदेश में साकार हो रही है। खुशहाल किसान हमारी सर्वोच्च प्राथमिकता है। प्रदेश में 122 चीनी मिलें क्रियाशील हैं। मार्च, 2017 से अब तक तीन नई चीनी मिलों की स्थापना हुई है। छह चीनी मिलों का पुनर्संचालन तथा 38 चीनी मिलों का क्षमता विस्तार हुआ है, जिससे लगभग 1.25 लाख लोगों को प्रत्यक्ष/अप्रत्यक्ष रूप से रोजगार प्राप्त हुआ है। आठ वर्षों में 46.50 लाख गन्ना किसानों को 2,80,223 करोड़ रुपये का भुगतान किया जा चुका है। मुख्यमंत्री कन्या सुमंगला योजना, निराश्रित महिला पेंशन योजना, प्रधानमंत्री मातृ वंदन योजना, पी.एम.स्वनिधि योजना जैसी अनेक कल्याणकारी योजनाएं मातृशक्ति के जीवन में सकारात्मकता का सवेरा लेकर आई हैं। ग्रामीण क्षेत्र की 95 लाख से अधिक महिलाओं को ग्रामीण आजीविका मिशन से जोड़ने के साथ ही सार्वजनिक वितरण प्रणाली के अंतर्गत महिला स्वयं सहायता समूहों को 2,510 उचित मूल्य की दुकानों का आवंटन, ग्रामीण आवासीय अभिलेख (घरौनी) घर की महिला के नाम आदि जैसी रचनात्मक पहल नारी शक्ति के जीवन में सम्मान और आर्थिक प्रगति का प्रतीक हैं। प्रदेश में 96 लाख से अधिक एमएसएमई इकाइयों ने युवाओं को जॉब सीकर से जॉब क्रिएटर बनाने का युगांतरकारी कार्य किया है। वर्ष 2016 में प्रदेश की बेरोजगारी दर 18 प्रतिशत थी जो अब तीन प्रतिशत है। निष्पक्ष एवं पारदर्शी प्रक्रिया के जरिये विभिन्न आयोगों एवं भर्ती बोर्ड द्वारा साढ़े आठ लाख से अधिक युवाओं को सरकारी नौकरी मिली। इनमें से 1.38 लाख से अधिक महिलाएं हैं। परीक्षाओं के शुचितापूर्ण आयोजन के लिए उ.प्र. सार्वजनिक परीक्षा (अनुचित साधनों का निवारण) कानून लागू किया गया है, जिससे छात्रों के मन में व्यवस्था के प्रति विश्वास जागा है। आठ वर्ष हमारी आस्था, अस्मिता, आर्थिकी और सांस्कृतिक चेतना के उन्नयन का ऐतिहासिक कालखंड है। इसी दौरान हम सभी ने शताब्दियों की प्रतीक्षा, पीढ़ियों के संघर्ष के बाद सकल आस्था के केंद्र, भारत के प्राण प्रभु श्री रामलला को उनके पावन मंदिर में पुनः विराजमान होते हुए देखा। हम भव्य-दिव्य काशी विश्वनाथ कारिडोर के निर्माण के साक्षी हैं। महाकुंभ का भव्य दिव्य आयोजन, श्री अयोध्या धाम का विकास, काशी का कायाकल्प और मथुरा-वृंदावन का सुंदरीकरण, 'दीपोत्सव', 'रंगोत्सव' का आयोजन विगत आठ वर्षों के प्रयासों का सुफल हैं। बीते आठ वर्षों में एक भी नया टैक्स नहीं लगाया गया। प्रदेश में डीजल-पेट्रोल दरें देश में सबसे कम हैं। इसके बाद भी उत्तर प्रदेश राजस्व सरप्लस स्टेट के रूप में समृद्धि के नए सोपान चढ़ रहा है। इस सफलता के पीछे रामराज्य की अवधारणा ही है।प्रदेश की विकास यात्रा में मेरे साथ हर नागरिक सहभागी है। मेरे लिए किसान केवल अन्नदाता नहीं, बल्कि आत्मनिर्भर भारत के अग्रदूत हैं। हमारा लक्ष्य 'विकसित उत्तर प्रदेश' है। प्रदेश को देश की सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था ही नहीं बनाना है, बल्कि 25 करोड़ प्रदेश वासियों के सपनों को भी साकार करना है।

पिता रिक्शा चालक, केरल के लिए भी नहीं खेले विग्नेश को एमआई ने ऐसे बनाया आईपीएल की नई सनसनी

24 साल के विग्नेश पुथुर ने रविवार को चेन्नई सुपर किंग्स के खिलाफ कमाल की गेंदबाजी की। उन्होंने चार ओवर में 32 रन देकर तीन विकेट झटके। इनमें ऋतुराज गायकवाड़, शिवम दुबे और दीपक हुड्डा के विकेट शामिल हैं। आईपीएल 2025 में रविवार को चेपॉक में खेले गए मुकाबले में चेन्नई सुपर किंग्स ने मुंबई इंडियंस को हरा दिया। हालांकि, एक वक्त मुंबई के विग्नेश पुथुर की घातक गेंदबाजी की बदौलत मुंबई ने चेन्नई को फंसा लिया था और मैच रोमांचक हो चला था, लेकिन रचिन रवींद्र की सूझबूझ भरी बल्लेबाजी से सीएसके मैच निकालने में कामयाब रही। हालांकि, चेन्नई की जीत से ज्यादा चर्चा पुथुर की गेंदबाजी की हो रही है। 24 साल का यह गेंदबाज आईपीएल में डेब्यू कर रहा था और अपने पहले ही मैच में उन्होंने जलवा बिखेरा। पुथुर ने चार ओवर में 32 रन देकर तीन विकेट झटके। इनमें ऋतुराज गायकवाड़, शिवम दुबे और दीपक हुड्डा के विकेट शामिल हैं। पुथुर एक रिक्शा चालक के बेटे हैं और इस मैच से पहले सीनियर लेवल पर खेलने का उनके पास कोई अनुभव नहीं है। मुंबई इंडियंस के टैलेंट स्काउट ने इस गेंदबाज को एक लीग के जरिय तलाशा और अब उसे तराशने का काम कर रहे हैं।दरअसल, 24 साल के विग्नेश पुथुर एक चाइनामैन स्पिन गेंदबाज हैं और केरल के मालापुरम के रहने वाले हैं। उनके पिता ऑटो रिक्शा चालक हैं। उनका आईपीएल तक का सफर बेहद कठिनाइयों और चुनौतियों से भरा रहा है। मुंबई ने उन्हें मेगा नीलामी में 30 लाख रुपये में खरीदा था। फ्रेंचाइजी के लिए ट्रायल में उन्होंने शानदार प्रदर्शन किया था। पुथुर को इम्पैक्ट सबस्टीट्यूट के रूप में रोहित शर्मा की जगह मैदान पर भेजा गया और उन्होंने अपनी सटीक लाइन लेंथ की गेंदबाजी से सुर्खियां बटोरीं। दबाव में भी वह बेहद कूल दिखे। इस गेंदबाज ने केरल की सीनियर टीम के लिए अब तक कोई मैच नहीं खेला है। केरल क्रिकेट लीग के दौरान मुंबई के टैलेंट स्काउट की नजर उन पर पड़ी। इसके बाद मुंबई के टैलेंट स्काउट ने उनसे संपर्क किया। इसके बाद उन्हें अनुभव हासिल करने के लिए इस साल जनवरी में दक्षिण अफ्रीकी टी20 लीग के लिए दक्षिण अफ्रीका भेजा गया। इसका खर्च भी मुंबई इंडियंस फ्रेंचाइजी ने ही उठाया। वहां वह मुंबई इंडियंस की टीम एमआई केप टाउन से जुड़े। वहां उन्हें नेट बॉलर के तौर पर भेजा गया था। राशिद खान एमआई केप टाउन के कप्तान

हैं और पुथुर ने उनसे वहां स्पिन की कला सीखी। इससे उनका आत्मविश्वास भी बढ़ा। इसके बाद जब वह वापस आए तो डीवाई पाटिल टी20 टूर्नामेंट में रिलायंस टीम का हिस्सा बने और तीन मैच खेले। यह आईपीएल से पहले तैयारी परखने का सही जरिया साबित हुआ। आईपीएल की तैयारी शुरू होने के बाद पुथुर से नेट्स में, प्रैक्टिस मैचों में जमकर गेंदबाजी कराई गई। कोच महेला जयवर्धने की अगुआई में टीम मैनेजमेंट उन्हें गेंदबाजी करता देख खुश थे और इस बात के लिए आश्वस्त थे कि वह आईपीएल के मेन मुकाबलों में गेंदबाजी के लिए तैयार हैं। इसके लिए रोहित शर्मा और सूर्यकुमार यादव से भी सलाह ली गई और सभी इससे सहमत दिखे। मुंबई के गेंदबाजी कोच पारस म्हम्ब्रे ने कहा, 'रोहित, सूर्यकुमार और तिलक, मुंबई के सभी बल्लेबाजों ने नेट्स में पुथुर का सामना किया। उनकी गेंदबाजी को समझना किसी के लिए आसान नहीं था। इसलिए हमने सोचा कि उन्हें एक मैच में मौका दिया जाए ताकि उनका आत्मविश्वास बढ़े और यह फैसला सही साबित हुआ। यह अच्छा फैसला था।' पारस म्हाम्ब्रे ने मुंबई इंडियंस के टैलेंट स्काउट की भी जमकर तारीफ की, जिन्होंने इस गेंदबाज की तलाश की और केरल क्रिकेट लीग से ढूंढ कर निकाला। म्हाम्ब्रे ने कहा, 'हमारे पास कुछ शानदार लोग हैं जो टैलेंट को ढूंढ निकालने में माहिर हैं। मुझे लगता है कि वह इसलिए इतने कामयाब हैं क्योंकि वह किसी और चीज पर इस बात को तरजीह देते हैं कि उनमें क्षमता है या नहीं। हमने ट्रायल में देखा कि उनमें क्षमता है और वह दबाव में घबराते नहीं, बल्कि इसे चुनौती की तरह स्वीकार करते हैं। हमने इस बात को नहीं देखा कि उन्होंने पहले कोई क्रिकेट या टूर्नामेंट खेला है या नहीं। हम बस उनकी क्षमता को परख कर आगे बढ़े और अब वह आप सभी के सामने है।चेपॉक में चेन्नई सुपर किंग्स के हजारों फैंस के सामने पुथुर ने ऋतुराज गायकवाड़, शिवम दुबे और दीपक हुड्डा के विकेट लिए। हालांकि, एमआई डगआउट ने जिस चीज को सबसे ज्यादा पसंद किया, वह है पुथुर के दबाव को संभालने की क्षमता। कोच माहेला, कीरोन पोलार्ड और रोहित जैसे सीनियर खिलाड़ियों के साथ नियमित बातचीत से पुथुर को उनकी भूमिका, टीम की उम्मीदों और मुंबई इंडियंस के ड्रेसिंग रूम की संस्कृति को समझने में मदद मिली। म्हाम्ब्रे ने कहा, 'हां, पुथुर ने काफी क्रिकेट नहीं खेली है, लेकिन हमें एक मौका मिला जहां उन्होंने थोड़ा काम किया। हमारे साथ काम करने का मौका मिला। स्किल पर हमने ज्यादा काम नहीं किया, क्योंकि मुझे लगता है कि वह इसमें काफी सुलझे हुए हैं। जयवर्धने और पोलार्ड के साथ-साथ सूर्यकुमार-रोहित के साथ बातचीत कर उन्हें यह समझने में मदद मिली की टीम को किस चीज की जरूरत है। उन्हें टीम में अपनी भूमिका को समझने में मदद मिली और यह भी जाना कि हम उनसे क्या उम्मीद करते हैं।'भारत और विदेशी सितारों के साथ ड्रेसिंग रूम साझा करना, एमएस धोनी के साथ मैच के बाद बातचीत करना कुछ ऐसा है, जिसका हर खिलाड़ी सपना देखता है। पुथुर ने रविवार इन पलों को जिया है। म्हाम्ब्रे ने कहा कि ड्रेसिंग रूम में हर किसी को जयवर्धने के साथ इतना बातचीत का समय नहीं मिलता। सिर्फ सीनियर खिलाड़ी ही ऐसा करते हैं, लेकिन पुथुर कुछ खास हैं। उन्होंने कहा, 'आपके पास हीरो हैं, आप उन्हें टीवी पर खेलते हुए देखते हैं और अचानक ही आपको उनके साथ ड्रेसिंग रूम साझा करने का मौका मिले तो यह कितना खास हो सकता है, आप जानते हैं। आपके साथ रोहित जैसे खिलाड़ी बगल में बैठे हैं। यह सपना सच होने जैसा है, है न? जिस तरह से पुथुर ने गेंदबाजी की, ऐसा कभी नहीं लगा कि वह दबाव में थे और यह देखना अच्छा था। वह पहले मैच में छाप छोड़ने में सफल रहे हैं और अब एमआई डगआउट में हर कोई उम्मीद करेगा कि वह टीम के पुराने खिलाड़ियों की तरह इस फ्रेंचाइजी के साथ एक लंबी और सफल पारी खेलें, जैसा कि जसप्रीत बुमराह, हार्दिक पांड्या, क्रुणाल पांड्या, तिलक वर्मा ने किया है।केरल के मल्लापुरम के पुथुर कालीकट विश्वविद्यालय के 'पीटीएम गवर्नमेंट कॉलेज' पेरिन्थालमन्ना में अंग्रेजी साहित्य में एमए (परास्नातक) की पढ़ाई कर रहे हैं। उनके पिता ऑटो रिक्शा चलाते है जबकि उनकी मां एक गृहिणी हैं। केरल क्रिकेट लीग और तमिलनाडु प्रीमियर लीग में थोड़े समय के लिए खेलने के अलावा उन्होंने अब तक प्रथम श्रेणी क्रिकेट का भी अनुभव नहीं है। स्थानीय लीग में पुथुर की प्रतिभा को देखकर मुंबई इंडियंस ने उन्हें टीम में लेने का मन बना लिया था पुथुर के शिविर में शामिल होने के तुरंत बाद ही उनका प्रशिक्षण शुरू हो गया। इस दौरान उन्हें कोचों से बातचीत करने से लेकर प्रशिक्षण सुविधाओं में एनालिटिक्स और डेटा विशेषज्ञों के साथ काम करने का मौका मिला। यहां से उनकी क्रिकेट यात्रा ने उड़ान भरी और पुथुर ने अपनी मेहनत में कोई कसर नहीं छोड़ी। पुथुर के पिता सुनील कुमार ने कहा, 'हमने कभी नहीं सोचा था कि वह पहले मैच में ही खेलेगा। हम बहुत खुश हैं। हमने कभी नहीं सोचा था कि उसे आईपीएल अनुबंध मिलेगा। अब बहुत से लोग हमें बधाई देने के लिए कॉल कर रहे हैं और उम्मीद है कि वह सभी की उम्मीदों पर खरा उतरेगा।' पुथुर की मां बिंदु भी बेटे की सफलता से खुश हैं। बिंदु ने कहा, 'उसने कल शाम को फोन करके कहा था कि आज रात मुझे खेलने का मौका मिल सकता है। हम कल रात हर गेंद को देख रहे थे और उसने अच्छा प्रदर्शन किया। उसने मैच के बाद रात में लगभग साढ़े 12 बजे फोन किया था।' पुथुर के बचपन के कोच विजयन ने मुंबई के प्रसिद्ध कोच वासु परांजपे के साथ काम किया है। उन्होंने कहा, 'उसके सामने बहुत समय है। उम्मीद है कि वह और भी बहुत सी ऊंचाइयां हासिल करेगा। वह बहुत अनुशासित है और उसने बाएं हाथ की कलाई की स्पिन जैसी कठिन कला पर कड़ी मेहनत की है।'

मनोज कुमार की फिल्मी देशभक्ति ने तैयार की राष्ट्रवादी सत्ता की भावभूमि

हिंदी फिल्मों में गुजरे जमाने के एक खूबसूरत, ख्यालों में खोए से और देशभक्ति को अपनी पिक्चरों की केन्द्रीय थीम बनाकर देश को एक अलग तरह का संदेश देने वाले हीरो मनोज कुमार का हिंदी फिल्म जगत को क्या अवदान है?देशभक्ति की उनकी परिभाषा, सेल्युलाइड पर उसका चित्रण को भारत की बदलती राजनीतिक, सामाजिक चेतना के सदंर्भ में मनोज कुमार की भूमिका को हम किस रूप में याद करें? यह सवाल 87 वें साल में उनके निधन के बाद ज्यादा मौजूं हो गए हैं।मनोज कुमार ने फिल्मों में अपनी आदर्शवादी, समावेशी देशभक्ति व राष्ट्रप्रेम के जरिए भविष्य में एक केन्द्रीय राजनीतिक विचार में तब्दील होने वाले प्रखर और काफी हद उग्र राष्ट्रवाद की शुरुआती जमीन तैयार की। मनोज कुमार कितने महान और वर्सटाइल अभिनेता थे, इस पर प्रश्नचिन्ह हैं, लेकिन वो एक निष्णात, डायरेक्टर, निर्माता संपादक और संवाद लेखक निःसंदेह थे। मनोज कुमार ने देश की स्वतंत्रता के एक दशक बाद नैतिक मूल्यों का आदर्श कायम रखते हुए देश के लिए जीने-मरने का ऐसा संदेश दिया, जो उस जमाने में हावी समाजवादी सोच और धर्मनिरपेक्ष आग्रहों से थोड़ा अलग हटकर था। इस अर्थ में मनोज कुमार को निर्मल देशभक्ति और प्रखर राष्ट्रवाद के मिलन बिंदु पर खड़ा कलाकार कहा जा सकता है। जो रोमांस में भी राष्ट्रीय मूल्यों को सहेजता है और जो राष्ट्रीय मूल्यों में रोमांस को जीता है कुछ लोग मनोज कुमार की देशभक्ति को अति भावुकता से लबरेज और किसी हद तक अवास्तविकता से भरा मानते हैं। बावजूद इसके यह सचाई है कि मनोज कुमार ने यह फार्मूला व्यावसायिक तौर पर हिंदी फिल्मों में सफलता से अप्लाय किया और अपनी एक अलग छवि तैयार की। यूं मनोज कुमार ने अपना फिल्मी कैरियर उनकी पहली फिल्म 'कांच की गुड़िया'(1961) से शुरू किया। लेकिन उस फिल्म के चाकलेटी चेहरे वाले हीरो मनोज कुमार का कोई

खास नोटिस नहीं लिया गया। याद रहे कि मनोज कुमार का फिल्म इंडस्ट्री में आगमन उस जमाने में हुआ, जब एक तरफ देवदास तो दूसरी तरफ प्ले ब्वॉय या फिर समाजवादी विचार से प्रेरित फिल्मी नायकों का जोर था। खुद मनोज कुमार जिनका असली नाम हरेकृष्ण गोस्वामी था, दिलीप कुमार के प्रशंसक थे। और दिलीप साहब की एक पुरानी फिल्म 'शबनम' में उनके किरदार 'मनोज कुमार' से प्रभावित होकर अपना फिल्मी नाम भी मनोज कुमार रख लिया था। फिल्मों में शुरूआती चार साल मनोज कुमार के संघर्ष के थे। हालांकि आंखें बंद कर डायलॉग बोलने की उनकी अदा जरूर नोटिस की गई थी 1964 में आई राज खोसला की यादगार फिल्म 'वह कौन थी' में मनोज बतौर हीरो नमूदार हुए, लेकिन वह फिल्म चली हीरोइन साधना के अभिनय और मदन मोहन के अमर संगीत के कारण। आज भी इस फिल्म के लिए लताजी द्वारा गाया 'लग जा गले' लता दीदी के टॉप टेन सांग में शामिल करना ही पड़ता है। लेकिन मनोज कुमार की फिल्मी कामयाबी और हिंदी फिल्म उद्योग में देशभक्ति को सफल व्यावसायिक फार्मूला बनाने की कहानी शहीद भगत सिंह पर बनी फिल्म 'शहीद' से शुरू होती है। इस फिल्म का संगीत आज भी लाजवाब है। इसी फिल्म को देखकर तत्कालीन प्रधानमंत्री लाल बहादुर शास्त्री ने मनोज कुमार को देशभक्ति और उनके अमर नारे ' जय जवान, जय किसान' पर केन्द्रित एक फिल्म बनाने का सुझाव दिया। मनोज कुमार ने उस पर पूरी ईमानदारी से अमल किया और फिल्म 'उपकार' बनाई। मूलतः ये एक प्रचार फिल्म ही थी, लेकिन इसने रचनात्मकता, संवेदनशीलता, मैसेजिंग और बॉक्स आफिस पर कामयाबी का नया इतिहास रचा। इसीलिए देश में राजनीतिक एजेंडों पर जितनी भी फिल्में बनी हैं, उनमें 'उपकार' का मयार सबसे अलग और शाश्वत है। मनोज कुमार ने इसे दिल से बनाया था। यानी यह प्रचार फिल्म होकर भी देशप्रेम का सार्थक संदेश देने वाली अमर फिल्म बन गई। शानदार पटकथा, कहानी, अभिनय, संवाद, पात्रों की संरचना, गीत और संगीत ने भी इस फिल्म को हिंदी की श्रेष्ठ फिल्मों में स्थापित कर दिया। इस फिल्म के निर्माण के दौरान हुए भारत-पाक युद्ध के दौरान उभरे राष्ट्रप्रेम, युद्ध के कुछ समय बाद तत्कालीन प्रधानमंत्री लाल बहादुर शास्त्री की असमय और रहस्यमय मौत ने इस फिल्म की प्रासंगिकता को और बढ़ा दिया। इस फिल्म में महेन्द्र कपूर द्वारा गाए देशभक्ति गीत 'मेरे देश की धरती' ने हमारे राष्ट्रीय पर्वों के थीम सांग की जगह ले ली और खुद महेन्द्र कपूर देशभक्ति गीतों के आइकन और मनोज कुमार 'भारत कुमार' की ऐसी छवि में ऐसे ढल गए कि जिसका लाभांश उन्हें 1981 तक मिलता रहा हालांकि मनोज कुमार ने 'उपकार' के बाद 'पूरब पश्चिम', 'रोटी-कपड़ा-मकान', 'क्रांति' जैसी देशभक्ति पूर्ण और बॉक्स ऑफिस पर हिट फिल्में बनाईं, लेकिन 'उपकार' जैसा क्लासिक शाहकार वो नहीं बन सकीं इस दृष्टि से 1965 से 1981 का वह दौर, जो दो भारत-पाक युद्धों, समाजवादी-सेक्युलर और राष्ट्रवादी विचारों के बीच गहराते संघर्ष, आदर्शवाद और व्यवहारवाद में बढ़ते टकराव, 1971 के युद्ध में भारत की निर्णायक जीत के बाद आपातकाल में लोकतंत्र का दमन, गैर कांग्रेसी विचारों का असफल एकीकरण, नई राजनीतिक, सामाजिक तथा आर्थिक चेतना की दरकार एवं आजादी के बाद देखे और दिखाए गए सपनों के मोहभंग के बीच मनोज कुमार का फिल्मों में देशप्रेम के गुण गाते रहने का आग्रह शुरू में बहुत प्रेरक महसूस हुआ। बाद में वह केवल फिल्मों को हिट बनाने वाले फार्मूले में तब्दील हो गया। खासकर देश में बढ़ती बेचैनी, एंग्री यंगमैन बनती जा रही पीढ़ी को यह फार्मूला अप्रासंगिक महसूस होने लगा। उदार, सौम्य और सर्व समावेशी देशप्रेम धीरे- धीरे उग्र राष्ट्रवाद में बदलने लगा। सत्तर के दशक के अंतिम वर्षों में देश में 'सर्व धर्म समभाव' की उदात्त चेतना की जड़े हिलने लगी थी। ऐसे में मनोज कुमार का 'मेरा रंग दे बसंती चोला' का आह्वान भी रंग खोने लगा था। अस्सी के दशक में बहुसंख्यक हिंदुओं की धार्मिक चेतना उग्र राष्ट्रवाद के आवरण में नई हिलोरे लेने लगी, तब तक मनोज कुमार स्टाइल की देशभक्ति असर फीका पड़ गया था। बावजूद इसके 'मनोज कुमार उर्फ 'भारत कुमार' चरित्र के दो प्रातिनिधिक गीत 'मेरे देश की धरती सोना उगले, उगले हीरे मोती' और भारत का रहने वाला हूं, भारत की बात सुनाता हूं..' भविष्य में आर्थिक और सैनिक ताकत वाले भारत की पूर्व पीठिका तैयार कर चुके थे। वैसे 'देशभक्ति फार्मूले' से इतर भी मनोज कुमार ने कई फिल्मों में रोमांटिक हीरो' का किरदार जिया, लेकिन इस रोल में वो किसी भी पीढ़ी का वैसा आइकन नहीं बन सके, जैसे दिलीप कुमार, देवानंद, राजेश खन्ना, अमिताभ बच्चन या शाहरूख खान रहे हैं। अपने सफल फिल्मी जीवन के आखिरी सालो में उन्होंने राजनीति में कदम रखकर अगर 'भारतीय जनता पार्टी' की सदस्यता ली तो यह मनोज कुमार का स्वाभाविक चयन ही था। यह भी संयोग है कि भारतीय फिल्म जगत का सर्वाधिक प्रतिष्ठित दादा साहब फालके पुरस्कार भी मनोज कुमार को 2015 में मोदी सरकार सत्ता में आने के बाद मिला। हालांकि 1992 में नरसिंहराव सरकार के समय उन्हें पद्मश्री से नवाजा गया था। यह कहना अतिशयोक्ति नहीं है कि जिस जमीन पर आज 'इंडिया फर्स्ट' वाली सोच का महल खड़ा है, फिल्म जगत में उसकी नींव मनोज कुमार ने ही रखी थी।

सरकार के फैसले के खिलाफ देशव्यापी आंदोलन का नेतृत्व करेगा एआईएमपीएलबी वापसी तक चलेगा अभियान

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)

नई दिल्ली। एआईएमपीएलबी ने कहा है कि वह सभी धार्मिक, समुदाय-आधारित और सामाजिक संगठनों के साथ समन्वय करके वक्फ (संशोधन) अधिनियम के खिलाफ एक राष्ट्रव्यापी आंदोलन का नेतृत्व करेगा संसद के दोनों सदनों में मैराथन चर्चा के बाद यूनिफाइड वक्फ मैनेजमेंट एंपावरमेंट, एफिशिएंसी एंड डेवलपमेंट विधेयक (उम्मीद) 2025 राष्ट्रपति की मंजूरी के बाद कानून बन गया। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने इस विधेयक को शनिवार देर रात अपनी मंजूरी दे दी। इस विधेयक को राष्ट्रपति की मंजूरी के बाद सरकार ने अधिसूचना के माध्यम से अधिसूचित कर दिया। इस विधेयक को लोकसभा ने 3 अप्रैल और राज्यसभा ने चार अप्रैल को पारित किया था। उधर, ऑल इंडिया मुस्लिम पर्सनल लॉ बोर्ड (एआईएमपीएलबी) ने इसका विरोध किया है। एआईएमपीएलबी ने कहा है कि वह सभी धार्मिक, समुदाय-आधारित और सामाजिक संगठनों के साथ समन्वय करके वक्फ (संशोधन) अधिनियम के खिलाफ एक राष्ट्रव्यापी आंदोलन का नेतृत्व करेगा।एआईएमपीएलबी का कहना है कि उनका यह आंदोलन तब तक जारी रहेगा जब तक कि कानून पूरी तरह से निरस्त नहीं हो जाता। ऑल इंडिया मुस्लिम पर्सनल लॉ बोर्ड (एआईएमपीएलबी) ने कहा कि कुछ दलों द्वारा भाजपा के सांप्रदायिक एजेंडे को दिए गए समर्थन ने उनके तथाकथित धर्मनिरपेक्ष मुखौटे को पूरी तरह से उजागर कर दिया है। एक बयान में एआईएमपीएलबी ने इस बात पर जोर दिया कि वह सभी धार्मिक, समुदाय-आधारित और सामाजिक संगठनों के साथ समन्वय करके इन संशोधनों के खिलाफ एक राष्ट्रव्यापी आंदोलन का नेतृत्व करेगा और यह अभियान तब तक जारी रहेगा जब तक कि संशोधन पूरी तरह से निरस्त नहीं हो जाते। बोर्ड ने मुस्लिम समुदाय को आश्वस्त किया कि उन्हें हताश या निराश होने की कोई आवश्यकता नहीं है। एआईएमपीएलबी ने कहा कि नेतृत्व इस मामले में किसी भी बलिदान से पीछे नहीं हटेगा और देश में न्याय चाहने वाली सभी ताकतों के साथ मिलकर इसके खिलाफ संवैधानिक ढांचे के भीतर एक मजबूत आंदोलन शुरू करेगा।

सरस्वती एन्क्लेव के औद्योगिक क्षेत्र में लगी भीषण आग, बुझाने की जद्दोजहद जारी

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)

नई दिल्ली। आग बुझाने का काम जारी है। अभी तक किसी के हताहत होने की खबर नहीं है। आग लगने के कारणों का अभी पता नहीं चल पाया है। गुरुग्राम में सरस्वती एन्क्लेव इलाके में स्थित औद्योगिक क्षेत्र में भीषण आग लग गई। आग बुझाने का काम जारी है। अभी तक किसी के हताहत होने की खबर नहीं है। आग लगने के कारणों का अभी पता नहीं चल पाया है। सेक्टर-37 फायर स्टेशन के अधिकारी जय नारायण ने बताया कि हमें रात 11.39 बजे सूचना मिली कि एक गोदाम में आग लग गई है। हमने सभी दमकल गाड़ियों को बुलाया। गुरुग्राम, नूंह और झज्जर से भी दमकल गाड़ियों को बुलाया गया। कम से कम 20 दमकल गाड़ियां मौके पर हैं। अभी तक कोई हताहत नहीं हुआ है।

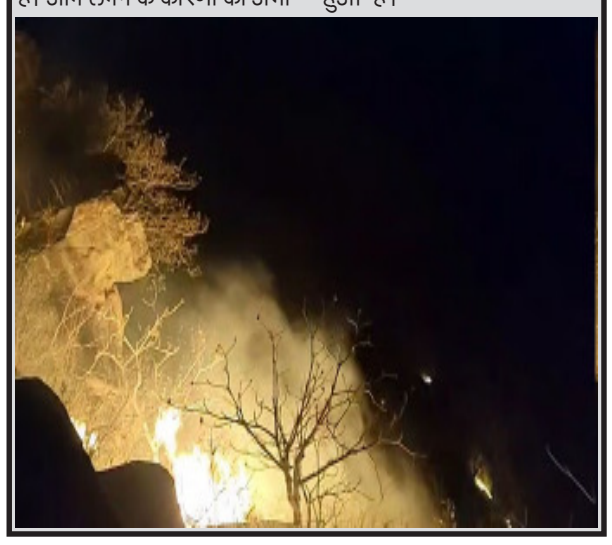

कैंट स्टेशन पर 6000 स्क्वायर एरिया में बनेगा वाहन पार्किंग, रेल अधिकारियों ने लगाई मुहर

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)

वाराणसी। कैंट स्टेशन पर वाहन पार्किंग को लेकर रेल अधिकारियों ने मुहर लगा दी है। जल्द ही राइट्स की ओर से यहां काम शुरू हो जाएगा। जानकारी के अनुसार 6000 स्क्वायर एरिया में वाहन पार्किंग बनाई जानी है। कैंट रेलवे स्टेशन के मुख्य प्रवेश द्वार के सर्कुलेटिंग एरिया की वाहन पार्किंग बंद की जाएगी। यही कारण है कि उसका टेंडर नहीं हो रहा है। वाहन पार्किंग एरिया में स्थाई होल्डिंग एरिया बनाया जाएगा। अधिकारी गेस्ट हाउस से मालगोदाम रोड पावर केबिन तक सड़क से 50 मीटर अंदर 6000 स्क्वायर मीटर में पार्किंग एरिया बनना है।राइट्स और रेल अधिकारियों के बीच मंथन में योजना पर मुहर लगी है। रोपवे स्टेशन निर्माण के दौरान सर्कुलेटिंग एरिया का दायरा कम हो गया है। यात्रियों को होने वाली असुविधाओं और वाहन पार्किंग की समस्याओं से निजात दिलाने को लेकर योजना तैयार हुई है। राइट्स की ओर से निर्माण कार्य शुरू किया जा सकता है। नए वित्तीय वर्ष में प्रस्ताव तैयार किया जा रहा है।उत्तर रेलवे के कैंट स्टेशन पर यात्रियों का दबाव बढ़ रहा है। 112 जोड़ी ट्रेनों से रोज सवा लाख यात्री आवाजाही कर रहे हैं। सर्कुलेटिंग एरिया में ही रोपवे स्टेशन बन रहा है। रोपवे के कारण स्टेशन का सर्कुलेटिंग एरिया सिकुड़ गया है। इतनी जगह नहीं है कि एक बार में 80 से 90 वाहन एक साथ खड़े हो सके। टैक्सी, ऑटो और यात्रियों के निजी वाहनों के चलते सर्कुलेटिंग एरिया का वाहन पार्किंग फुल रहता है। महाकुंभ के पहले से निशुल्क पार्किंग होने के कारण बाहरी गाड़ियां भी खड़ी हो रही हैं। 6 मार्च को कैंट स्टेशन पहुंचे राइट्स के सीएमडी राहुल मित्तल ने क्राउड मैनेजमेंट को लेकर रेल अधिकारियों संग सर्कुलेटिंग एरिया का निरीक्षण किया था। रेल अधिकारियों ने बताया कि अधिकारी गेस्ट हाउस से पावर केबिन तक 6000 स्क्वायर मीटर एरिया में नए वाहन पार्किंग बनाने का प्रारूप तैयार है। इसे मुख्यालय और डिविजन स्तर से हरी झंडी भी मिल चुकी है।इस वित्तीय वर्ष में कैंट स्टेशन पर तीसरा एफओबी भी बनाया जाएगा। 120 मीटर लंबा और 12 फीट चौड़े एफओबी का निर्माण पार्सल ऑफिस से आगे एनईआर ऑफिस से सीडीओ ऑफिस पानी टंकी के पास कूड़ा घर तक होना है। रेल अधिकारियों ने बताया कि पार्सल ऑफिस को तोड़कर सबसे बड़ा एसी वेटिंग हॉल बनाया जाएगा। द्वितीय प्रवेश द्वार पर मुख्य प्रवेश द्वार जैसा भवन बनाया जाना है, जो सुविधाएं और व्यवस्थाएं प्रथम प्रवेशद्वार पर हैं, वह द्वितीय प्रवेश द्वार पर भी होंगी।

आरएसएस प्रमुख के आगमन को लेकर शहर से एयरपोर्ट तक डमी फ्लीट रिहर्सल

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)

वाराणसी। संघ प्रमुख मोहन भागवत वाराणसी दौरे पर आने वाले हैं। इसे लेकर फ्लीट का रिहर्सल रिहर्सल कर सुरक्षा व्यवस्था को जांच परखा गया।शहर से एयरपोर्ट पर वाहनों का काफिला शाम 4 बजे पंहुचा। एयरपोर्ट पर आरएसएस

किया गया। एयरपोर्ट पर इस डमी रिहर्सल को किया गया और सुरक्षा को जांचा गया बाबतपुर वाराणसी के लाल बहादुर शास्त्री अंतरराष्ट्रीय एयरपोर्ट पर तीन अप्रैल को आरएसएस प्रमुख मोहन भागवत के काशी आगमन होना है जिसको लेकर शहर से एयरपोर्ट तक डमी फ्लिट रिहर्सल किया गया।जानकारी के अनुसार आरएसएस प्रमुख मोहन भागवत के काशी आगमन को लेकर शहर से लेकर एयरपोर्ट तक डमी फ्लिट प्रमुख के सुरक्षा अधिकारीयों नें एयरपोर्ट पर पहुचकर एक घंटे तक तक सुरक्षा व्यवस्था को परखने के बाद वाहनों का काफिला शाम लगभग एक घंटे बाद डमी फ्लिट मे शामिल वाहनों का काफिला शहर के लिये रवाना हो गया।एयरपोर्ट पर सीआईएफ डॉग स्क्वायड दस्ते के द्वारा सभी फ्लिट मे शामिल सभी वाहनों का गहानता से जांच पड़ताल करने के बाद एप्रन पर जाने की इजाजत दी गई।

रहवासियों की मांग, ओबरा उप जिलाधिकारी को सौंपा गया ज्ञापन

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)

ओबरा, सोनभद्रः। आम नागरिकों और चोपन रोड के निवासियों की शिकायतों को गंभीरता से लेते हुए अपना दल (एस) युवा मंच के प्रदेश उपाध्यक्ष आनंद पटेल दयालु के नेतृत्व में एक प्रतिनिधिमंडल ने ओबरा उप जिलाधिकारी को ज्ञापन सौंपा। ज्ञापन में मुख्य रूप से चोपन रोड स्थित देसी शराब की दुकान को लेकर शिकायत दर्ज कराई गई। स्थानीय नागरिकों के अनुसार, दुकान के भीतर ही लोगों को शराब पिलाई जाती है, जिससे शराब के नशे में लोग सड़क पर उत्पात मचाते हैं। इस कारण से महिलाओं के आवागमन में असुविधा होती है। इसके अतिरिक्त, शराब के नशे में झगड़े और गाली-गलौज की घटनाएँ आम हो गई हैं, जिससे क्षेत्र का माहौल बिगड़ रहा है। गौरतलब है कि दुकान के निकट ही मंदिर और गुरुद्वारा भी स्थित हैं, जिससे श्रद्धालुओं को भी असुविधा का सामना करना पड़ता है। प्रतिनिधिमंडल ने प्रशासन से इस समस्या पर तत्काल कार्रवाई करने की मांग की ताकि आम जनता का सरकार और प्रशासन पर विश्वास बना रहे। ज्ञापन सौंपने वालों में प्रमुख रूप से प्रदेश सचिव (अल्पसंख्यक मंच) महताब आलम, जिला सचिव संतोष कनौजिया, पूर्व विधानसभा अध्यक्ष (ओबरा) विकास कुमार गौड़, जनाब शरीफ खान, चोपन रोड निवासी अनिल सिंह, अभिषेक जायसवाल सहित कई स्थानीय नागरिक उपस्थित रहे।

पूजन अर्चन कर हुआ नए सत्र का पठन-पाठन प्रारम्भ

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)

सोनभद्र । विन्ध्य तक्षशिला एकेडमी राबर्ट्सगंज सोनभद्र में सरस्वती पूजन कर पटन-पाठन प्रारम्भ किया गया। सर्वप्रथम विद्यालय की वरिष्ठ प्रवक्ता कंचन श्रीवास्तव व डॉ0 अंजली विक्रम सिंह द्वारा सरस्वती प्रतिमा व जगत जननी माँ दुर्गा की प्रतिमा पर माल्यार्पण व दीपप्रज्ज्वलन कर किया गया। तत्पश्चात् अगली कक्षा में प्रवेश लेने वाले छात्र/छात्राओं द्वारा सरस्वती वंदना प्रस्तुत किया गया। इसके पश्चात् कंचन श्रीवास्तव ने छात्र/छात्राओं को सम्बोधित करते हुए कहा की असफलता में ही सफलता छिपी हुई है। वर्तमान समय में शिक्षा के साथ-साथ संस्कार देना ही इस विद्यालय का प्रमुख लक्ष्य है। अंत में डॉ0 अंजली विक्रम सिंह ने अपने सम्बोधन में कहा की विद्यालय द्वारा समय-समय पर बच्चो के स्वास्थ्य के सुधार हेतु अनुभवी डाक्टरो द्वारा समय-समय पर उनकी जॉच व शारीरिक कमियों को दूर करने के लिए विद्यालय हमेश प्रयत्न शील रहता है। नये सत्र में आये हुए समस्त छात्र/छात्राओं का विद्यालय परिवार अभिनन्दन करता है व कठिन परिश्रम करने हेतु उनको उत्साहित भी करता है क्योकि परिश्रम के अलावा दुसरा कोई रास्ता नही है। परिश्रम से ही कठिन से कठिन कार्य सरल लगने लगते है समस्त छात्र/छात्राओं के उज्ज्वल भविष्य की कामना करते हुए अपना आर्शिवचन प्रदान किया। कार्यक्रम में मुख्य रूप से शालिनी, प्रज्ञा, चंचल, रिया, वंदना, ओमप्रकाश तथा समस्त कर्मचारि उपस्थित रहें।

सेक्टर 82 में 6 अप्रैल से भव्य श्री राम कथा का आयोजन

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)

नोएडा । सेक्टर 82 के पॉकेट 7 के सेंट्रल पार्क में 6 अप्रैल से आयोजित श्री राम कथा के आयोजन की तैयारियां जोर-शोर से चल रही है श्री राम कथा आयोजन समिति के सदस्य रवि राघव ने उसकी जानकारी देते हुए बताया है कि कथा व्यास अनंत श्री विभूषित महामंडलेश्वर श्री श्री 1008 स्वामी पंचमानंद जी महाराज (श्री पंचायती महानिर्वाणी अखाड़ा) के मुखारविंद से नव दिवसीय श्री राम कथा की अमृत रूपी वर्षा होगी, जिसमें आप सभी सम्मानित भक्तगण भी सपरिवार सादर आमंत्रित हैं श्री राम कथा की महिला मंडल की टीम घर-घर जाकर श्री राम कथा और कलश यात्रा के लिए जनसंपर्क कर रही है। कलशयात्रा में हाथी घोड़े एवं ऊट भी शामिल किए गए हैं। कलशयात्रा का रास्ते में लोगों द्वारा जगह जगह पर स्वागत एवं जलपान की व्यवस्था भी की गयी है। कलशयात्रा में ढोल एवं बैंड बाजे भी रहेगे। यह इस सेक्टर की चौथी श्री राम कथा होने जा रही है। यह कथा पूरे सेक्टर के लोगों के सहयोग से की जाती है। इस बार सुरक्षा की दृष्टि से नोएडा पुलिस प्रशासन से अनुमति भी ली गयी है और पुलिस की जिप्सी कलशयात्रा में मौजूद रहेगी। इस बार कलश यात्रा में हजारों की संख्या में भक्तों की आने की उम्मीद बनी हुई है। पुरूषों के अलावा महिला मंडल सदस्यों ने पॉकेट 7, श्रमिक कुंज और गेझा गांव में घर-घर जाकर कलश यात्रा के लिए निमंत्रण दिए एवं जनसंपर्क भी किया।यह कथा 6 अप्रैल को कलश यात्रा के साथ प्रारंभ होगी और 15 अप्रैल को हवन आरती और विशाल भंडारे के साथ पूर्णाहुति होगी श्री राम कथा में मथुरा से आ रहे कलाकार नित्य सुंदर झांकी भी प्रस्तुत करेंगे।

आकर्षित ग्रामीणों ने शराब की दुकान के विरोध में किया प्रदर्शन

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)

सोनभद्र । धार्मिक स्थल चन्द्रिका माता मंदिर एवं सरकारी स्कूल के समीप संचालित शराब की दुकान को हटाने के लिए सहिजन कला के ग्रामीण और महिलाओं ने मंगलवार की सुबह से ही संचालित शराब के दुकान के बाहर घेर कर धरना पर बैठ गई तथा प्रदर्शन करने लगी तथा तथा शराब की दुकान को गांव के बाहर हटाने की मांग पर अड़ी रही आपको बता दें कि सहिजन कला गांव के अंदर चंद्रिका माता का मंदिर है जहां पर पूजा होती है उसी चन्द्रिका माता मंदिर एवं सरकारी स्कूल के पास देशी शराब की दुकान संचालित हो रही थी इस शराब की दुकान का विरोध कई सालों से हो रहा था चूंकि नई दुकानों का आवंटन होने से मुहल्लेवासियों ने दुकान हटाने का बिगुल बजा दिया है। मुहल्ले वासी कई सालों से इन देशी शराब की दुकान से परेशान थे नीलम, आरती, फुलेश्वरी, श्यामा, चंपा, चमेली, बतासी, अजय, रीना, इंद्रलोक, शांति ,माधव सिंह, अनिल, सावित्री मुन्ना सविता प्रमोद सहित सभी का कहना है की यहां पर चंद्रिका माता का मंदिर है और बगल में स्कूल है तथा वहीं पर छठ घाट बना हुआ है जहां पर छठ पूजा होती है जिससे वहां पर जाने वाली महिलाओं और युवतियों को नवरात्रि में पूजा अर्चना करने एवं स्कूल की बच्चियों को स्कूल जाने में दिक्कत होती है। शराबियों का जमावड़ा सुबह से ही लग जाता है शराबी सुबह से ही आना शुरू कर देते हैं और शराब पीकर मां बहन की गाली बकना शुरू कर देते हैं जिससे वहां अगल-बगल की महिलाओं का कहना है कि बहु-बेटियों का घर से निकलना मुश्किल हो गया है। नशेड़ी सड़क पर उल्टियां कर रहे हैं और गिर रहे हैं। वे महिलाओं के साथ छेड़खानी भी करते हैं। महिलाओं ने चेतावनी दी कि अगर दुकान को आबादी से दूर नहीं किया गया तो संघर्ष की स्थिति बन सरकती है। उन्होंने कहा कि अभी कुछ महिलाएं ही प्रदर्शन कर रही हैं, लेकिन मांग न मानी गई तो पूरी बस्ती के लोग विरोध प्रदर्शन करेंगे। का घर से निकलना दुश्वार हो जाता है सभी प्रदर्शनकारी ग्रामीणों का मांग है कि इस शराब की दुकान को गांव से बाहर कहीं भी संचालित करें उसमें ग्रामीणों को कोई आपत्ति नहीं होगी ग्रामीणो का यह भी करना है की कई बार अधिकारियों को इसके लिए कहा भी गया था तथा जब से नगर पालिका हुई है तब से ग्रामीण नगर पालिका अध्यक्षा से बात भी किया गया है नगर पालिका अध्यक्षा ने ग्रामीणों को आश्वासन भी दिया था की बस्ती और मंदिर के पास से संचालित शराब की दुकान हटाया जाएगा तभी से ग्रामीण यह आस लगाए बैठे थे की नई दुकान यहां पर मंदिर और स्कूल के पास एवं बस्ती के बीच में नहीं संचालित होगी परंतु जैसे ही ग्रामीण महिलाओं को सूचना मिली की शराब की दुकान पुराने जगह संचालित होने जा रही है तभी सैकड़ो की संख्या में महिलाएं पहुंचकर शराब की दुकान पर बैठ गई और शराब की दुकान नहीं खोलने ?दी, कयी लोगों के समझाने के बाद भी औरतें एवं ग्रामीण वहां से नहीं हटे जब नया दुकानदार सभी को यह आश्वासन दिया कि शराब की दुकान यहां पर संचालित ना कर दूसरे जगह पर संचालित की जाएगी तब जाकर ग्रामीण एवं महिलाएं वहां से हटी।

सोनभद्र चंदौली बॉर्डर पर स्थित गांव दुखदेवपुर का है मामला

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)

सोनभद्र ।नगवां ब्लॉक के ग्राम पंचायत सिकरवार के निवासी मुन्ना लाल केशरी जिनका खेत चंदौली खलिहान में रखे तीन बिगहा गेहूं और डेढ़ बिगहा अरहर के साथ चना, मटर,सरसों आदि की फसल जलकर खाक हो गई। खलिहान में जब आग लगी तो ग्रामीणों ने फोन के माध्यम से किसान मुन्ना लाल केशरी को जानकारी दी उनके आने से पहले ही आग ने विकराल रूप धारण कर लिया था ग्रामीणों को कुछ समझ में आता तब तक पूरी फसल जलकर राख हो गई आनन फानन में ग्रामीणों ने फेयर बिग्रेड की सूचना दी तब तक काफी देर हो चुकी थी गलीमत रही की आज अंधी कम रफ्तार से चल रही थी वरना आग आस पास खेतों में लगे गेहूं की फसल को भी अपने आगोस में ले लेती फसल जलते देख किसान के आंखों से आंसू निकल रहे थे ग्रामीण बाल्टी से आग बुझाने की कोशिश करते रहे लेकिन आज बुझ नही रही थी पास के गांव गोटी बांध के ग्राम प्रधान संदीप जयसवाल ने अपना टैंकर भेजा तब जाकर ग्रामीणों के काफी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया जा सका। किसान मुन्ना लाल केशरी ने बताया की हमारी तो पूरी फसल ही जलकर राख हो गई अब हम लोगों का गुजारा भत्ता कैसे होगा किसान द्वारा बताया गया की हमारा लाखों का नुकसान हुआ है वही क्षेत्रीय लेखपाल को मामले की जानकारी दे दी गई है।

डीएम सीएमओ ने हरी झंडी दिखाकर रैली को किया रवाना

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)

सोनभद्र। मुख्य चिकित्सा अधिकारी कार्यालय से जिलाधिकारी बी एन सिंह द्वारा हरी झंडी दिखाकर रैली के माध्यम से संचारी अभियान का उद्घाटन किया गया जिसमें मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ अश्वनी कुमार अधिकारी कर्मचारी नगर पालिका के कर्मचारी जिला पंचायत राज अधिकारी नमिता शरण इत्यादि उपस्थित रहे संचारी अभियान जनपद में 1 अप्रैल 2025 से 30 अप्रैल 2025 तक चलाया जाएगा जिसके तहत विभिन्न विभाग आपसी सहयोग के माध्यम से लोगों को जागरूक करने संक्रामक रोगों से बचने के बारे में प्रचार प्रसार करेंगे ग्राम विकास विभाग द्वारा ग्रामीण क्षेत्र में नालियों की सफाई झाड़ियां की कटाई कचरा निस्तारण एंटी लारवा , फॉगिंग, शुद्ध पेयजल व्यवस्था इत्यादि कार्य किया जाएगा यही कार्य नगर विकास विभाग द्वारा नगरीय क्षेत्र में किया जाएगा शिक्षा विभाग द्वारा बच्चों को संक्रामक रोग से बचने की जानकारी दी जाएगी पशुपालन विभाग द्वारा सूअर पहाड़ों को आबादी से दूर स्थापित करने हेतु प्रेरित किया जाएगा चिकित्सा विभाग द्वारा दस्तक अभियान के तहत 10 अप्रैल 2025 से घर-घर जाकर बुखार, क्षय, कुष्ठ, फाइलेरिया इत्यादि के रोगियों की लाइन लिस्टिंग की जाएगी। इस दौरान डॉ गुलाब शंकर यादव एसीएमओ, डॉ प्रेमनाथ एसीएमओ, डीपीएम डॉ जेपी सिंह, मनोज, शुभम सिंह, देवाशीष पांडे, आरके सिंह एमो, अनिल दुबे एमआई, मधु सिंह एमआई आजाद यादव, लायंस क्लब पूर्व अध्यक्ष किशोरी सिंह सहित अन्य लोग मौजूद रहे।

बॉलीवुड/टेली मसाला

रश्मिका मंदाना ने बांधे सलमान खान की तारीफों के पुल, बोलीं- सिकंदर के साथ काम करना मानो

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)

नई दिल्ली। सलमान खान और रश्मिका मंदाना अभिनित फिल्म

सिकंदर इस महिने की 30 तारीख को रिलीज के लिए तैयार है। फिल्म का प्रमोशन जोरो-शोरो से चल रहा है। फिल्म प्रमोशन के दौरान रश्मिना ने सिकंदर की जमकर तारीफ की। सलमान खान इन दिनों अपनी आगामी फिल्म सिकंदर को लेकर लगातार सुर्खियों में बने हुए हैं। इस फिल्म में सलमान के साथ पहली बार रश्मिका मंदाना की जोड़ी नजर आएगी, जो प्रशंसकों को बेहद पसंद भी आ रही है। वहीं फिल्म का प्रमोशन लगातार चल रहा है और इसी बीच रश्मिका ने सलमान की जमकर तारीफ की, जिसे सुनकर भाईजान के फैंस जरूर खुश हो जाएंगे।रश्मिका मंदाना लगातार लगातार कई हिट फिल्में देती आई हैं, जिसमें रणबीर कपूर के साथ 'एनिमल' और अल्लू अर्जुन के साथ 'पुष्पा 2 द रूल' शामिल हैं। वहीं अब उन्होंने बॉलीवुड दबंग खान के साथ काम करने के अपने अनुभव को लेकर अपनी एक्साइटमेंट जाहिर की है।123 डॉट कॉम की एक खबर के मुताबिक, रश्मिका मंदाना ने सलमान की तारीफ करते हुए कहा कि उनके साथ फिल्म 'सिकंदर' में काम करना, उनके लिए बेहद सम्मान की बात है क्योंकि वह बॉलीवुड के एक ऐसे अभिनेता हैं, जिन्हें हर कोई पसंद करता है और वह भारतीय सिनेमा में सबसे प्रसिद्ध अभिनेताओं में से एक हैं।साउथ की कई बेहतरीन फिल्मों के बाद अब बॉलीवुड फिल्मों में कदम जमा चुकीं रश्मिका का मानना है कि फिल्म सिकंदर उनके करियर के लिए मील का पत्थर साबित होगी। इसके अलावा रश्मिका ने सलमान के स्टारडम से लेकर उनके साथ काम करने के अनुभव की भी जमकर प्रशंसा की। सिकंदर का निर्देशन और लेखन ए आर मुरुगादॉस ने किया है। फिल्म में सलमान और रश्मिका मंदाना के अलावा सत्यराज, प्रतीक बब्बर, काजल अग्रवाल, शरमन जोशी ने अहम भूमिका निभाई है। फिल्म का दमदार संगीत प्रीतम ने तैयार किया है। यह फिल्म 30 अप्रैल, 2025 को सिनेमाघरों में रिलीज के लिए तैयार है।

विजय की 'जन नायगन' की रिलीज डेट का एलान, जानें 2026 में कब आएगी फिल्म

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)

नई दिल्ली। विजय की बहुप्रतीक्षित फिल्म 'जन नायगन' की रिलीज डेट का एलान कर दिया

गया है। यह फिल्म 2026 में सिनेमाघरों में दस्तक देगी। तमिल सुपरस्टार दलपति विजय की बहुप्रतीक्षित फिल्म 'जन नायगन' की रिलीज डेट आखिरकार सामने आ गई है। यह फिल्म मकर संक्रांति और पोंगल (14 जनवरी 2026) से ठीक पहले रिलीज होगी। फिल्म का निर्देशन एच विनोथ ने किया है। वहीं, इसे केवीएन प्रोडक्शंस ने प्रोड्यूस किया है। सोमवार को फैंस को देते हुए फिल्म के निर्माताओं ने इसकी रिलीज की तारीफ का एलान कर दिया। यह फिल्म 9 जनवरी 2026 को सिनेमाघरों में दस्तक देगी। इससे पहले 26 जनवरी 2025 को गणतंत्र दिवस के मौके पर विजय ने अपने फैंस को फिल्म से जुड़ा बड़ा सरप्राइज दिया था। उन्होंने 'जन नायगन' का पहला पोस्टर सोशल मीडिया पर शेयर किया था। इस पोस्टर में विजय एक गाड़ी के ऊपर खड़े होकर भीड़ के साथ सेल्फी लेते नजर आए थे। नीली डेनिम शर्ट और काले पैंट में वह बेहद स्टाइलिश लग रहे थे। काले चश्मे ने उनके लुक को और शानदार बना दिया था। 'जन नायगन' के बारे में अभी ज्यादा जानकारी सामने नहीं आई है। लेकिन चर्चा है कि यह विजय की आखिरी फिल्म होगी, क्योंकि इसके बाद वह राजनीति में पूरी तरह से सक्रिय होने जा रहे हैं।

दमदार एक्शन और नई चुनौतियों के साथ लौटेगा 'बालवीर', जानिए कब आएगा नया सीजन

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)

नई दिल्ली। टीवी शो 'बालवीर' दमदार एक्शन और नई चुनौतियों के साथ वापसी करने जा रहा है। नया सीजन जल्द ही शुरू होगा,

जिसमें बालवीर अपने दुश्मनों से मुकाबला करते हुए दुनिया को बचाएगा। बच्चों और बड़ों का पसंदीदा शो 'बालवीर' का नया सीजन जल्द ही दर्शकों के सामने आने वाला है। इस बार कहानी को और रोमांचक तरह से पेश करने की कोशिश की गई है। यह शो सोनी लिव पर स्ट्रीम होने जा रहा है। शो में बालवीर की दुनिया पहले से कहीं ज्यादा खतरनाक और रोमांचक से भरी होगी। फैंस इस नए सीजन का बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं। यह शो 7 अप्रैल से देखा जा सकेगा। शो में बालवीर का किरदार निभाने वाले देव जोशी ने इस सीजन को लेकर अपनी खुशी जाहिर की है। एक प्रेस नोट के जरिए उन्होंने कहा, ठबालवीर हमेशा हिम्मत, उम्मीद और अच्छाई-बुराई की लड़ाई की कहानी रही है। इस बार यह सीजन हर चीज को नए स्तर पर ले जा रहा है। इसमें गहरी चुनौतियां, जोरदार एक्शन और एक शानदार बदलाव देखने को मिलेगा। पांचवां सीजन एक नया और रोमांचक मोड़ है। मैं चाहता हूं कि फैंस बालवीर के इस सबसे दमदार सफर को देखें। यह कहानी अभी खत्म नहीं हुई है।ठ शो की आधिकारिक सारांश के मुताबिक इस बार बालवीर अपने पिता के साथ एक बड़ी लड़ाई के बाद कमजोर हो गया है। उसकी ताकत छिन गई है, लेकिन उसका सफर यहीं खत्म नहीं होता। एक नया और खतरनाक दुश्मन सामने आया है, जो बालवीर को हमेशा के लिए मिटा देना चाहता है। दुनिया का भविष्य दांव पर है। बालवीर को फिर से उठकर अपनी सबसे बड़ी जंग लड़नी होगी। यह सीजन पहले से ज्यादा ड्रामा और एक्शन से भरा होगा। इस सीजन में देव जोशी एक बार फिर बालवीर के रूप में नजर आएंगे। उनके साथ अदिति सनवाल काश्वी की भूमिका में होंगी। वहीं, अदा खान खतरनाक विलेन आगल का किरदार निभाएंगी। इन सितारों की तिकड़ी इस शो को और भी मजेदार की पूरी कोशिश करेगी।

'केसरी 2' से पहले इन फिल्मों में दिखी जलियांवाली बाग हत्याकांड की कहानी, भयावह दृश्य देख दहल गए दिल

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)

नई दिल्ली। 'केसरी चैप्टर 2' 13 अप्रैल 1919 को हुए जलियांवाला बाग हत्याकांड की कहानी बयां करेगी। इससे पहले भी कई फिल्मों में इस खौफनाक घटना के भयावह दृश्य दिखाए गई

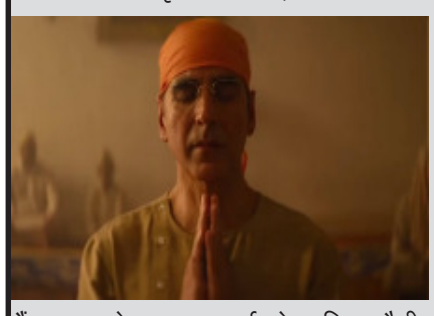

हैं। आज सोमवार, 24 मार्च को अक्षय कुमार की बहुप्रतीक्षित फिल्म 'केसरी 2' का टीजर जारी हुआ है, जो अब सोशल मीडिया पर छाया हुआ है। टीजर में फिल्म की कहानी के बारे में अपडेट साझा किया गया। 'केसरी चैप्टर 2' 13 अप्रैल 1919 को हुए जलियांवाला बाग हत्याकांड की कहानी बयां करेगी। इससे पहले भी कई फिल्मों में इस खौफनाक घटना के भयावह दृश्य दिखाए गई हैं। चलिए जानते हैं उन फिल्मों के बारे में, जिनमें जलियांवाला बाग की कहानी दिखाई गई है। विनोद खन्ना, परीक्षित साहनी, शबाना आजमी, गुलजार और दीप्ति नवल अभिनीत इस फिल्म का निर्देशन बलराज ताह ने किया था। फिल्म की पटकथा गुलजार ने लिखी है। यह शहीद उधम सिंह की कहानी है, जिन्होंने 1940 में जलियांवाला बाग हत्याकांड का बदला लेने के लिए माइकल ओ'डायर की हत्या कर दी थी। फिल्म में जलियांवाला बाग हत्याकांड की कहानी दिखाई गई है। राजकुमार संतोषी द्वारा निर्देशित यह फिल्म रिचर्ड एटनबरो की स्वतंत्रता सेनानी भगत सिंह पर आधारित है, जिसमें सरदार उधम सिंह को जलियांवाला बाग की घटना के बाद क्रांतिकारी बनने की प्रेरणा मिली थी। अनुष्का शर्मा की फिल्म फिल्लौरी के कुछ दृश्य जलियांवाला बाग में फिल्माए गए थे। फिल्म में अनुष्का शर्मा द्वारा निभाए गए मुख्य किरदार की शांति नहीं मिलती है, क्योंकि उसके प्रेमी यानी दिलजीत दोसांझ के किरदार की जलियांवाला बाग में हत्या कर दी जाती है। सरदार उधम 2021 में भी जालियांवाला बाग हत्याकांड की भयावह कहानी और दर्दनाक दृश्य दिखाई गए हैं। फिल्म अभिनेता विक्की कौशल मुख्य भूमिका में हैं, साथ ही शॉन स्कॉट, स्टीफन होगन, अमोल पाराशर, बनिता संधू और किर्स्टी एवर्टन सहायक भूमिकाओं में हैं। इस बायोग्राफिकल ड्रामा का निर्देशन शूजित सरकार ने किया है। इसकी पटकथा शुभेंदु भट्टाचार्य और रितेश शाह ने लिखी है।

क्रिकेट छोड़ा तो एक्टिंग का पकड़ा हाथ, बनाई अलग पहचान; जानें आखिर योगराज ने किसलिए उठाई बंदूक

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)

नई दिल्ली। पूर्व क्रिकेटर और अभिनेता योगराज सिंह आज अपना 67वां जन्मदिन मना रहे हैं। वह हिन्दी और पंजाबी फिल्मों में अपनी दमदार स्क्रीन प्रेजेंस के लिए जाने जाते हैं। 'भाग मिल्खा भाग' फिल्म से जीता था सबका दिल। आइए जानते हैं आज अभिनेता के जीवन से जुड़ी खास बातें।पूर्व क्रिकेटर योगराज सिंह किसी पहचान के मोहताज नहीं हैं। उन्होंने अपने शानदार एक्टिंग से दर्शकों को अपना मुरीद बनाने का काम किया है। ऑलराउंडर के रूप में क्रिकेट की शुरुआत फिर चोट के कारण खेल से तौबा। फिल्मों के अलावा विवादों से रहे हैं काफी चर्चित। धोनी, कपिल समेत कई धुरंधरों पर लगा चुके हैं आरोप। आइए जानते हैं इनकी लॉइफ जनी योगराज सिंह का जन्म 25 मार्च 1958 को चंडीगढ़, पंजाब में हुआ था। योगराज सिंह ने अपने अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट करियर की शुरुआत साल 1980 में की, जिसमें वह दाएं हाथ के तेज गेंदबाज के तौर पर आए थे। अपने पूरे करियर में उन्होंने एक टेस्ट और छह वनडे खेला, जिसमें योगराज ने कुल 11 रन बनाए और पांच विकेट लिए। योगराज सिंह ने अपना क्रिकेट डेब्यू न्यूजीलैंड के खिलाफ किया था, जिसमें भारत 62 रन से मैच हार गया था। चोट के कारण वह बहुत दिनों से क्रिकेट के मैदान से दूर रहे फिर अंततः उन्होंने क्रिकेट को अलविदा कह दिया।क्रिकेट से संन्यास लेने के बाद योगराज सिंह ने सिनेमाई परदे पर कदम रखा। अभिनेता योगराज सिंह ने अपने फिल्मी करियर की शुरुआत साल 1983 से की थी। उनकी पहली

फिल्म 'बंटवारा' थी, जिसमें वह बॉलीवुड के दिग्गज अभिनेता धर्मेन्द्र के साथ नजर आए थे। फरहान अख्तर अभिनीत फिल्म 'भाग मिल्खा भाग' में योगराज ने कोच रणवीर सिंह का किरदार निभाया था। इस फिल्म में योगराज की दमदार एक्टिंग ने दर्शकों को अपना मुरीद बना लिया था। इसके अलावा उन्होंने कई बड़े कलाकारों के साथ भी फिल्में कीं, जिसमें रेखा के साथ 'इंसाफ की देवी' और कमल हासन के साथ तमिल फिल्म 'इंडियन 2' में भी नजर आए थे। साथ ही 2015 में अक्षय कुमार की फिल्म 'सिंग इज ब्लिंग' में भी काम किया था। योगराज सिंह ने अपने अभिनय करियर में अभी तक कुल मिलाकर सात हिंदी फिल्मों में काम किया है।फिल्मी दुनिया में योगराज सिंह ने हिंदी और साउथ के अलावा पंजाबी फिल्मों में भी अपने अभिनय की जादूगरी दिखाई है। योगराज सिंह अभी तक 70 के लगभग पंजाबी फिल्मों में काम कर चुके हैं। उनकी कुछ पंजाबी फिल्में हैं, जिसमें उन्होंने दमदार एक्टिंग कीं हैं जैसे 'कुर्बानी जट्ट दी', 'बदला जट्टी दा', 'इंसाफ पंजाब दा', 'लव पंजाब दा', 'नैन प्रीतो दे', 'बीबी रजनी' आदि।पूर्व क्रिकेटर और अभिनेता योगराज सिंह का विवादों से भी उतना ही गहरा नाता रहा है, जितना फिल्मों से। आए दिन अभिनेता अपने बयानों के लेकर चर्चा में रहते हैं। योगराज सिंह ने क्रिकेट के दिग्गज खिलाड़ी महेन्द्र सिंह धोनी पर अपने बेटे क्रिकेटर युवराज सिंह का करियर बर्बाद करने का आरोप लगाया था। इसके अलावा उन्होंने एक इंटरव्यू में कहा था कि वह वनडे वर्ल्ड कप विजेता कपिल देव को मारना चाहते थे। इसका जवाब उन्होंने दिया कि बिना किसी कारण से उन्हें टीम से निकाल दिया गया था फिर वह बंदूक लेकर कपिल देव के घर पहुंच गए, लेकिन उनकी मां को देख नहीं चलाई गोलियां। ऐसे ही कई विवाद उनके नाम पर दर्ज हैं। योगराज सिंह फिल्मों में अभिनय के अलावा आज भी क्रिकेट की क्रिकेट के गुण सिखाते हैं।

आधी रह गई 11वें दिन 'द डिप्लोमैट' की कमाई, जानिए फिल्म ने किया कितना कलेक्शन

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)

नई दिल्ली। फिल्म 'द डिप्लोमैट' ने शुरुआत से लेकर अब तक बहुत बढ़िया कलेक्शन नहीं किया है। 11वें दिन तो इसकी कमाई आधी हो चुकी है। जानिए,

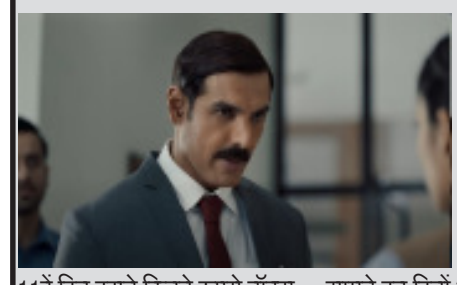

11वें दिन इसने कितने रुपये बॉक्स ऑफिस पर बटोरे हैं।जॉन अब्राहम की फिल्म 'द डिप्लोमैट' के लिए समय अच्छा नहीं चल रहा है। 11वें दिन में ही यह फिल्म दम तोड़ने लगी है। इसके पीछे कई कारण जिम्मेदार हैं। जानिए, 11वें दिन बॉक्स ऑफिस पर यह फिल्म कितनी कमाई कर पाई। शुरुआती आंकड़ों के अनुसार फिल्म 'द डिप्लोमैट' ने 11वें दिन 69 लाख रुपये ही कमाए हैं। फिल्म 'द डिप्लोमैट' की कुल कमाई की बात की जाए तो अब तक इसने 26.34 करोड़ रुपये कमाए हैं। कुछ मीडिया रिपोर्ट्स में इस फिल्म का बजट 20 करोड़ रुपये बताया जा रहा है। इस तरह देखा जाए तो फिल्म ने अपनी लागत तो वसूल ली लेकिन इसके कलेक्शन में हर दिन कमी देखी जा रही है। फिल्म 'द डिप्लोमैट' की कमाई 11वें दिन इसलिए आधी रह गई क्योंकि आईपीएल का सीजन शुरू हो चुका है। दर्शकों का ध्यान क्रिकेट मैच देखने पर ज्यादा है। ऐसे में कोई धमाकेदार फिल्म देखने ही दर्शक थिएटर तक आएंगे। इस मामले में जॉन अब्राहम की फिल्म पिछड़ जाती है। फिल्म 'द डिप्लोमैट' के सामने इन दिनों 'छावा' सिनेमाघरों में मौजूद है, यह फिल्म 600 करोड़ी बनने की तरफ आगे बढ़ रही है। जल्द ही सलमान खान की फिल्म 'सिकंदर' भी रिलीज होगी। इन दोनों फिल्मों से मुकाबला करना फिल्म 'द डिप्लोमैट' के लिए मुश्किल हो जाएगा। जॉन अब्राहम पिछले कुछ समय से देशभक्ति की कहानी वाली फिल्में कर रहे हैं। फिल्म 'द डिप्लोमैट' में भी जॉन ने राजनयिक जेपी सिंह का किरदार निभाया है। फिल्म में सादिया खातिब, कुमुद मिश्रा, शारीब हाश्मी, रेवती जैसे उम्दा अभिनेता और अभिनेत्रियां भी हैं। सादिया ने फिल्म 'द डिप्लोमैट' में उस्मा का किरदार निभाया है। फिल्म की कहानी उस्मा के किरदार के ईद-गिर्द ही बुनी गई है।

साध्वियों से मिलीं तमन्ना भाटिया, संवाद करती दिखीं अभिनेत्री, आशीर्वाद भी लिया

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)

नई दिल्ली। इन दिनों अभिनेत्री तमन्ना भाटिया अपनी आने वाली फिल्म 'ओडेला 2' को लेकर चर्चा में हैं। इस फिल्म से जुड़े एक खास कार्यक्रम में अभिनेत्री ने शिव शक्ति

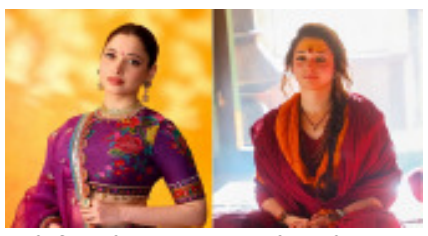

यानी शिव की साधन करने वाली साध्वियों से मुलाकात की। अभिनेत्री तमन्ना भाटिया ने अपने इंस्टाग्राम पेज पर एक वीडियो साझा किया है, जिसमें वह कुछ साध्वियों के बीच बैठी दिख रही हैं साध्वियों और अभिनेत्री के बीच आध्यात्मिक संवाद हो रहा है। तमन्ना के चेहरे पर भी शांति और प्रसन्नता नजर आ रही है। यह कार्यक्रम तमन्ना की आने वाली फिल्म 'ओडेला 2' से जुड़ा है। जानिए, इस वीडियो में और क्या-क्या दिखा? तमन्ना को किस तरह का अनुभव हुआ? तमन्ना भाटिया ने जो वीडियो इंस्टाग्राम पर साझा किया है, उसमें वह कुछ साध्वियों से आशीर्वाद ले रही हैं। इन साध्वियों का पहनावा, वेश-भूषा बिल्कुल वैसी ही है, जैसी फिल्म 'ओडेला 2' में तमन्ना भाटिया के किरदार की है। ये साध्वियां असल में भगवान शिव की स्तुति करती हैं, उनके लिए ही समर्पित रहती हैं। इन साध्वियों से तमन्ना ने बहुत देर तक बातचीत की। फिल्म 'ओडेला 2' की कहानी की बात की जाए तो यह एक सुपरनेचुरल थ्रिलर फिल्म है। फिल्म को अशोक तेजा ने निर्देशित किया है। फिल्म में तमन्ना भाटिया का किरदार काफी चुनौतीपूर्ण है। ट्रेलर में तो अभिनेत्री का रूप काफी रौद्र नजर आया था। यह फिल्म 'ओडेला रेलवे स्टेशन' की अगली कड़ी है। अगर तमन्ना भाटिया के निजी जीवन की बात करें तो प्रेमी विजय वर्मा ने उनका अलगाव हो चुका है। इनकी राहें अब जुदा हो चुकी हैं। दोनों को लंबे वक्त से साथ नहीं देखा गया है। इन्हीं खबरों के बीच ही तमन्ना भाटिया अपनी आने वाली फिल्म 'ओडेला 2' का प्रचार कर रही हैं।

छावा' का जलवा जारी, सोमवार को लाखों में सिमट गईं 'द डिप्लोमैट' और 'तुमको मेरी कसम'

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)

नई दिल्ली। विक्की कौशल की 'छावा' बॉक्स ऑफिस पर अच्छा प्रदर्शन कर रही है। जॉन अब्राहम की 'द डिप्लोमैट' की कमाई में भी सोमवार को गिरावट आई। 'तुमको मेरी कसम' का रविवार को संघर्ष

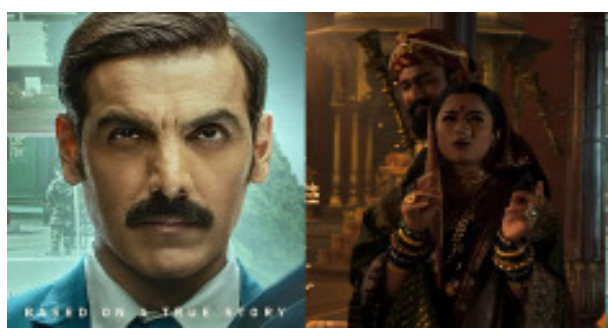

जारी रहा।मार्च महीने के आखिरी सोमवार को सिनेमाघरों में लगी हुईं फिल्मों ने दर्शकों का मनोरंजन किया। सभी फिल्मों को विकएंड का फायदा मिला था, लेकिन अब सोमवार को उनकी कमाई में गिरावट देखने को मिली। बॉक्स ऑफिस कलेक्शन की दौड़ में विक्की कौशल की 'छावा' और जॉन अब्राहम की 'द डिप्लोमैट' के साथ इस हफ्ते रिलीज हुई नई फिल्म 'तुमको मेरी कसम' भी शामिल है। हालांकि, इस फिल्म का बॉक्स ऑफिस पर शुरुआती प्रदर्शन बेहद खराब रहा। एक ओर जहां 'छावा' को एक महीने से ज्यादा का समय हो गया है और अब भी यह फिल्म अच्छी कमाई कर रही है तो वहीं जॉन की 'द डिप्लोमैट' धीमी रफ्तार से आगे बढ़ रही है। चलिए जानते हैं कि सोमवार को इन फिल्मों ने कैसा प्रदर्शन किया है। 'तुमको मेरी कसम' शुक्रवार, 21 मार्च 2025 को सिनेमाघरों में रिलीज हुई। फिल्म में अनुपम खेर, इश्वाक सिंह, अदा शर्मा, एशा देओल, मेहरान माजदा, सुशांत सिंह और दुर्गेश कुमार जैसे कई कलाकार हैं, लेकिन इसके बावजूद दर्शकों पर फिल्म का जादू नहीं चला। फिल्म को रिलीज हुए चार दिन हो चुके हैं, लेकिन यह अब तक करोड़ रुपये तक का आंकड़ा भी नहीं छू पाई है। पहले दिन ही फिल्म की कमाई लाखों रुपये में सिमट गई थी। फिल्म ने पहले दिन महज 15 लाख रुपये का कलेक्शन किया था। वहीं, शनिवार को दूसरे दिन इसका कलेक्शन उछाल के साथ 26 लाख रुपये रहा। तीसरे दिन यानी रविवार को फिल्म ने 27 लाख रुपये की कमाई की। चौथे दिन यह 14 लाख रुपये में सिमट गई। अब इसकी कुल कमाई 82 लाख रुपये हो चुकी है।जॉन अब्राहिम की फिल्म 'द डिप्लोमैट' 14 मार्च को होली के अवसर पर रिलीज हुई थी। हफ्ते भर बाद फिल्म ने अपना बजट निकाल लिया है और अब यह धीमी रफ्तार के साथ मुनाफे की कमाई करने की ओर बढ़ रही है। फिल्म अपना दूसरा हफ्ता भी पूरा करने वाली है। रविवार को फिल्म की कमाई में उछाल दर्ज किया गया था, लेकिन सोमवार को इसकी कमाई लाखों रुपये में ही सिमट गई। 11वें दिन फिल्म ने 90 लाख रुपये की कमाई की। वहीं अब फिल्म का कुल कलेक्शन 26.55 करोड़ रुपये हो चुका है। लक्ष्मण उतेकर के निर्देशन में बनी विक्की कौशल, रश्मिका मंदाना और अक्षय खन्ना जैसे सितारों से सजी फिल्म 'छावा' 14 फरवरी 2025 को रिलीज हुई। सिनेमाघरों में लगे इसे एक महीने से ऊपर हो गया है। अब भी फिल्म की कमाई करोड़ों रुपये में हो रही है। रविवार को यानी कल फिल्म का बॉक्स ऑफिस पर 39वां दिन था। बीते दिन फिल्म ने गिरावट के साथ 1.75 करोड़ रुपये की कमाई की। वहीं, अब फिल्म की कुल कमाई 585 करोड़ रुपये हो चुकी है।

हिंदुस्तानी भाऊ ने की फराह खान के खिफास एफआईआर की मांग, किया बॉम्बे हाईकोर्ट का रुख

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)

नई दिल्ली। हिंदुस्तानी भाऊ ने कोरियोग्राफर फराह खान के खिलाफ हिंदू त्योहार होली के बारे में उनकी कथित टिप्पणी को लेकर प्राथमिकी दर्ज करने की मांग करते हुए बॉम्बे हाईकोर्ट का रुख किया

है।सोशल मीडिया इन्फ्लुएंसर और पूर्व बिग बॉस प्रतियोगी विकास जयराम फातक उर्फ हिंदुस्तानी भाऊ ने निर्देशक और कोरियोग्राफर फराह खान के खिलाफ केस दर्ज करने की मांग करते हुए बॉम्बे हाईकोर्ट का रुख किया है। दरअसल, उन्होंने फराह खान पर हिंदू त्योहार होली के बारे में उनकी कथित टिप्पणी को लेकर एफआईआर दर्ज करने की मांग की है।हिंदुस्तानी भाऊ की याचिका के अनुसार, फराह खान ने फरवरी 2025 में सेलिब्रिटी मास्टरशेफ के एक एपिसोड के दौरान अपमानजनक टिप्पणी की थी, जिसमें उन्होंने होली को छपरियों का त्योहार बताया था। उन्होंने तर्क दिया कि छपरी शब्द का व्यापक रूप से नकारात्मक अर्थों के साथ इस्तेमाल किया जाता है, जो संस्कृति की कमी को दर्शाता है।उन्होंने दावा किया कि फराह खान की एक लोकप्रिय सार्वजनिक मंच पर की गई टिप्पणी ने हिंदू भावनाओं को ठेस पहुंचाई है और सांप्रदायिक विद्वेष को भड़का सकती है। हिंदुस्तानी भाऊ ने 21 फरवरी को खार पुलिस स्टेशन में शिकायत दर्ज कराई और फराह खान के खिलाफ कार्रवाई की मांग की।जब एफआईआर दर्ज नहीं हुई तो उन्होंने डिप्टी कमिश्नर और एडिशनल कमिश्नर ऑफ पुलिस समेत वरिष्ठ पुलिस अधिकारियों को मामले की जानकारी दी। इन प्रयासों के बावजूद कोई कार्रवाई नहीं हुई। पुलिस द्वारा कोई प्रतिक्रिया न मिलने पर फातक ने अब बॉम्बे उच्च न्यायालय का दरवाजा खटखटाया है और फराह खान के खिलाफ एफआईआर दर्ज करने के लिए न्यायिक हस्तक्षेप की मांग की है।

स्वत्वाधिकारी एवं मुद्रक डा0 दीपक अरोरा द्वारा रामा प्रिन्टर्स 53/25/1 ए बेली रोड न्यू कटरा प्रयागराज (उ.प्र.) 211002 से मुद्रित एवं सी-41 यूपी एसआईडीसी औद्योगिक क्षेत्र नैनी प्रयागराज। (उ.प्र.) 211010 से प्रकाशित।
सम्पादक/प्रकाशक
डा0 पुनीत अरोरा
मो0न0 09415608710
RNI No. UPHIN/2015/63398
website:www.adhuniksamachar.com

नोट:- इस समाचार पत्र में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं सम्पादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अन्तर्गत उत्तरदायी तथा इनसे उत्पन्न समस्त विवाद इलाहाबाद न्यायालय के अधीन ही होगे।